हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 134, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 29 अक्टूबर, 2021 दिन शुक्रवार | गाजीपुर/वाराणसी

कोरोना महामारी के मुश्किल दौर में भी दोस्ती की कसौटी रहा भारत-आसियान

आसियान सम्मेलन में बोले पीएम- यह चुनौतीपूर्ण समय भी मित्रता की परीक्षा थी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आसियान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के कारण हम सभी को बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। यह चुनौतीपूर्ण समय भी भारत-आसियान मित्रता की परीक्षा थी। उन्होंने इस बात पर पूरा विश्वास जताया कि कोरोना काल में हमारा आपसी सहयोग भविष्य में हमारे संबंधों को मजबूत करता रहेगा और हमारे लोगों के बीच सद्भावना का आधार बनेगा।

आसियान से भारत के संबंधों पर अपने विचार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि अगले वर्ष हमारी पार्टनरशिप के 30 वर्ष पूरे हो रहे हैं। वहीं, भारत की आजादी के भी 75 वर्ष अगले वर्ष पूरे हो जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को इस बात का गर्व और हर्ष है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव को हम 'आसियान-भारत मित्रता वर्ष' के रूप में मनाएंगे। पीएम मोदी ने आसियान को दिए अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि इतिहास गवाह रहा है कि भारत और आसियान के बीच हजारों साल से जीवंत संबंध रहे हैं। इस बात का गवाह इतिहास रहा है। इसकी झलक साझा मूल्य, परम्पराएं, भाषाएं, ग्रन्थ, वास्तुकला, संस्कृति, खान-पान में भी दिखाई देती है। इस संगठन की एकजुटता हमेशा से ही भारत की प्राथमिकता रही है। कोविड से शुरू हुई विश्व की जंग के बाबत उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में हम सभी को कई चुनौतियों से जूझना पड़ा है, लेकिन ऐसे समय में भी भारत आसियान मित्रता की कसौटी भी रहा। इस दौरान दोनों के बीच सहयोग बढ़ा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे भी यह सहयोग बढ़ता रहेगा। इस वर्ष आसियान सम्मेलन की अध्यक्षता करने के लिए उन्होंने ब्रुनेई के सुल्तान हसनाल बोलखी को बधाई भी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा ही आसियान के सिद्धांतों का पालन पूरी ईमानदारी

के साथ किया है। इस सम्मेलन में संबोधन के बाद विदेश मंत्रालय में सचिव-पूर्व रीवा गांगुली दास ने कहा कि पीएम मोदी ने इंडो-पेसेफिक क्षेत्र में भारतीय विजन को स्पष्ट करते हुए आसियान के केंद्रीयता की बात कही है। इसमें उन्होंने ये आसियान भारत की ईस्ट एक्ट पालिसी का एक अहम स्तंभ है। ये सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब चीन लगातार अपने कदमों को एशिया समेत दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ा रहा है। इस सम्मेलन की सबसे खास बात यह भी है कि वर्ष 2017 के बाद पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति इस सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले ट्रंप ने इस सम्मेलन में भागीदारी की थी, लेकिन उसके बाद वह इस सम्मेलन से अलग हो गए थे। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ब्रुनेई द्वारा आयोजित 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भी वर्चुअल तौर पर हिस्सा लिया था। उन्होंने अपने एक ट्वीट में ये भी लिखा है कि वो आसियान सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए काफी उत्सुक हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने एक लचीली वैश्विक चेन श्रृंखला के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने एशिया-पैसिफिक देशों क्वाड प्रायोजित वैक्सीन को उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया था। उन्होंने ये भी कहा कि भारत ने आसियान देशों के संगठन को कोरोना महामारी से उबरने के लिए 10 लाख अमेरिकी डालर का योगदान दिया है। बता दें कि आसियान देशों के सम्मेलन में भारत के अलावा इंडोनेशिया, ब्रुनेई, मलयेशिया, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, लाओस और म्यांमार भी हिस्सा ले रहे हैं। गौरतलब है कि चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए लगातार उसके कदमों को रोकने की कवायद की जा रही है। ये सम्मेलन उन देशों की चिंता को भी दर्शाने के लिए काफी अहम बनने वाला है, जो लगातार चीन की सीनाजोरी से परेशान हैं।

किशोर बियानी पहुंचे दिल्ली हाईकोर्ट, रिलायंस से डील पर रोक हटाने की मांग की

नई दिल्ली। फ्यूचर रिटेल और उसके प्रवर्तकों ने सिंगापुर के मध्यस्थता न्यायाधिकरण एसआईएसी द्वारा रिलायंस रिटेल के साथ उसके 24,713 करोड़ रुपये के सौदे पर रोक लगाने संबंधी आदेश पर स्टे और उसे निरस्त करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। एसआईएसी ने 21 अक्टूबर को यह आदेश दिया था। सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र ने 21 अक्टूबर को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें रिलायंस के साथ सौदे पर बीते साल 25 अक्टूबर को एसआईएसी के आपात मध्यस्थ (इमरजेंसी आर्बिट्रेटर) द्वारा लगाई गई अंतरिम रोक को हटाने की मांग की गई थी। एफआरएल ने एक नियामकीय सूचना में कहा, "कंपनी ने 25, अक्टूबर 2020 के आपात मध्यस्थ के अंतरिम आदेश को खारिज करने के लिए अपने आवेदन पर एसआईएसी द्वारा 21 अक्टूबर, 2021 को जारी आक्षेपित आदेश के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है।" एफआरएल ने हाईकोर्ट से "21 अक्टूबर 2021 के आक्षेपित आदेश के पालन पर रोक लगाने और उसे निरस्त करने" और "वैकल्पिक रूप से, कंपनी को शेयरधारकों और लेनदारों की बैठक करने की मंजूरी देने का अनुरोध किया है, जैसा कि एनसीएलटी मुंबई द्वारा 28 सितंबर के आदेश में कहा गया था।"

प्रशांत की भविष्यवाणी, भारतीय राजनीति में दशकों तक ताकतवर बनी रहेगी भाजपा, गलतफहमी में जी रहे राहुल

कोलकाता। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने गोवा यात्रा के दौरान भाजपा को लेकर भविष्यवाणी करके सियासी सरगर्मी को एक बार फिर तेज कर दिया है।भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नहीं समझने' को लेकर किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को खरी-खरी सुनाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा आने वाले कई दशकों तक भारतीय राजनीति में ताकतवर बनी रहेगी। पोल कंसल्टेंसी फर्म इंडियन पालिटिकल एक्शन कमेटी (आइपैक) के प्रमुख ने आगे कहा कि भाजपा को हराने के लिए अभी कई दशकों तक लड़ना होगा। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे मोदी को सत्ता से हटाने के भ्रम में न रहें।मोदी युग के अंत का इंतजार करना राहुल की गलती है।प्रशांत किशोर ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को गोवा के दौरे पर जा रही हैं। पीके भी अभी गोवा में ही हैं और वहां अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जमीन तैयार करने में जुटे हैं।

चुनावी रणनीतिकार के रूप में प्रशांत किशोर का कद उस वक्त और बढ़ गया, जब ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को इस साल की शुरूआत में उन्होंने बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत दिलाने में मदद की थी। किशोर ने कांग्रेस के संबंध में कहा कि वो (राहुल गांधी) इस भ्रम में थे कि ये नरेंद्र मोदी की सत्ता खत्म होना सिर्फ समय की बात है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया भाजपा आने वाले दशकों में राजनीति के केंद्र में रहने वाली है। चाहे वे जीतें, चाहे वे हारें। ये बिल्कुल वैसे है जैसा कांग्रेस के लिए शुरूआती 40 वर्षों में था। उन्होंने कहा- भाजपा कहीं नहीं जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर अगर आप 30 फीसद वोट सुरक्षित कर लेते हैं तो आप जल्द कहीं नहीं जा रहे। गोवा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस झांसे में पड़ने की जरूरत नहीं है कि लोग नाराज हो रहे हैं और नरेंद्र मोदी को सत्ता से बाहर कर देंगे। भाजपा कहीं नहीं जा रही है। आपको अगले दशकों तक इससे लड़ना होगा।

समस्या राहुल के साथ- किशोर ने कहा कि समस्या राहुल गांधी के साथ है। शायद उन्हें लगता है कि यह बस समय की बात है, जब लोग उन्हें (नरेंद्र मोदी) सत्ता से बाहर कर देंगे।ऐसा नहीं हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक आप उनकी ताकत की जांच और परख नहीं कर लेते, आप उन्हें हराने के लिए काउंटर नहीं कर सकते। लोगों के साथ समस्या इस बात की है कि वो उनकी (नरेंद्र मोदी) ताकत को समझने के लिए समय नहीं दे रहे हैं, ऐसा क्या है जो उन्हें लोकप्रिय बना रहा है। अगर आप इस बात को जानते हैं तो आप उन्हें काउंटर कर सकते हैं।

दीपावली का बड़ा तोहफा: अराजपत्रित कर्मचारियों को मिलेगा 30 दिन का बोनस, वित्त विभाग ने जारी किया शासनादेश

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश के अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों को सरकार ने दीपावली का बड़ा

तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गुरुवार को सभी अराजपत्रित कर्मचारियों को 30 दिनों का बोनस देने का शासन का आदेश जारी कर दिया गया है। प्रदेश सरकार के इस तोहफे से करीब 28 लाख सरकारी कर्मी लाभांवित होंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद वित्त विभाग ने गुरुवार को बोनस प्रदान करने का आदेश जारी कर दिया है। सभी कर्मियों को बोनस के तौर पर 6908 रुपये की राशि मिलेगी। इस बोनस की राशि का 75 फीसद कर्मचारी के जीपीएफ खाते में भेजा जाएगा जबकि 25 फीसद का उनको वेतन के साथ नगद भुगतान होगा।

बोनस की किस्त जारी होने पर मुख्यमंत्री को जताया आभार- जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ ने दीपावली के पर्व पर कर्मचारियों को बोनस देने का आज शासनादेश जारी होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। इसकी घोषणा से सभी कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई सभी कर्मचारियों को लगभग 7000 रुपया बोनस की राशि मिलेगी। जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, महामंत्री सुशील कुमार बच्चा, मंत्री अमित कुमार शुक्ला एवं आकिल सईद बबलू ने बोनस की किस्त जारी करने पर मुख्यमंत्री का आभार जताने के साथ साथ ही केन्द्र सरकार के समान तीन प्रतिशत महंगाई भत्ते की किस्त जल्द जारी कराने की अपील भी की।

एनसीबी के वकील बोले, आर्यन ने व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स की बिक्री करने की कोशिश की

नई दिल्ली/मुंबई। मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में फंसे बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन की जमानत याचिका पर बाम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए आर्यन खान के वकील मुकुल रोहतगी और सतीश मानेशिंदे बाम्बे हाईकोर्ट में मौजूद हैं। आर्यन खान को बुधवार को भी हाईकोर्ट से जमानत नहीं मिल पाई थी। वह 7 अक्टूबर से आर्थर रोड जेल में ही बंद हैं। अगर आर्यन खान को बाम्बे हाई कोर्ट से कल तक बेल नहीं मिलती है तो उसे दिवाली तक जेल में ही रहना पडेगा। इस बीच, ड्रग्स केस में एनसीबी के गवाह किरण गोसावी को पकड़ लिया गया है। पुणे पुलिस के कमिश्नर ने इस बात की पुष्टि की है कि पुलिस ने क्रूज पार्टी ड्रग केस में एनसीबी के स्वतंत्र गवाह किरण गोसावी को हिरासत में लिया है। उसे आज पुणे कोर्ट में पेश किया जाएगा। बाम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान एनसीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले एएसजी अनिल सिंह ने कहा कि अगर हमने व्हाट्सएप चैट पर भरोसा किया, तो उसने (आर्यन खान) व्यावसायिक मात्रा में ड्रग्स की बिक्री करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगे कहा कि एक

व्यावसायिक मात्रा का था। यह नहीं कहा जा सकता कि ड्रग्स व्यक्तिगत सेवन के लिए थी। बाम्बे हाईकोर्ट में आर्यन खान और अन्य की जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हो गई है। एनसीबी का प्रतिनिधित्व करने वाले एएसजी अनिल सिंह का कहना है कि आरोपी नं. 1 (आर्यन खान) ड्रग्स का पहली बार सेवन नहीं किया है, वह ड्रग पेडलर्स के संपर्क में था।

समीर वानखेड़े की पत्नी ने पत्र लिख उद्धव ठाकरे से लगाई मदद की गुहार, कहा- आज बालासाहब ठाकरे होते तो...

मुंबई/नई दिल्ली। आर्यन खान ड्रग मामले की जांच कर रहे मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े खुद ही परेशानियों में फंसते नजर आ रहे हैं। इस बीच उनकी पत्नी क्रांति रेडकर वानखेड़े ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिख मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के राज्य में एक महिला की गरिमा के साथ खिलवाड़ हो रहा है, मजाक हो रहा है। आज बालासाहब ठाकरे होते तो ये सब उन्हें मंजूर नहीं होता। क्रांति ने पत्र में लिखा, मैं एक मराठी लड़की हूं और बचपन से मराठी व्यक्ति के न्याय के हक के लिए लड़ने वाली शिवसेना को देखते हुए बड़ी हुई हूं। बालासाहब ठाकरे और छत्रपति शिवाजी से सीखा कि किसी पर अन्याय मत करो और खुद पर अन्याय सहो भी मत। इसी के मद्देनजर आज मैं अकेले अपने निजी जीवन पर हमला करने वालों के खिलाफ मजबूती से खड़ी हूं और लड़ रही हूं। उन्होंने अपने पत्र में आगे

लिखा, सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ मजा देख रहे हैं। मैं एक कलाकार हूं और राजनीति मुझे नहीं समझ आती है और मैं उसमें पड़ना भी नहीं चाहती हूं। हमारा कोई संबंध ना होते हुए भी हर रोज हमारी इज्जत उतारी जा रही है। उन्होंने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्य में एक महिला की गरिमा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मजाक हो रहा है आज बालासाहब ठाकरे होते तो निश्चित रूप से उन्हें यह मंजूर नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, बालासाहब आज यहां नहीं हैं, लेकिन आप हैं और हम उनको आपमें देखते हैं। हमें आप पर विश्वास है। हमें विश्वास है कि आप मेरे और मेरे परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। एक मराठी लड़की होने के तौर पर मैं आपसे न्याय की उम्मीद करती हूं। आपसे न्याय के लिए प्रार्थना करती हूं। क्रांति रेडकर ने बताया, मैंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मिलने का समय मांगा है, लेकिन अभी तक उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। मैं उनके जवाब का इंतेजार कर रही हूं।

त्योहारी मौसम के कारण गृह मंत्रालय ने देशभर में कोविड प्रतिबंधों को 30 नवंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देश भर में कोविड प्रतिबंधों को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है। त्योहारी मौसम में कोरोना का बढ़ता खतरा देख विशेषज्ञ पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि किसी भी तरह की लापरवाही एक बार फिर बड़े खतरे को न्योता दे सकती है। छठ पूजा और दीपावली के त्योहार को देखते हुए माना जा रहा है कि केस में इजाफा हो सकता है, जिससे पहले वाली स्थिति खड़ी हो सकती है, क्योंकि पिछले साल भी त्योहारी सीजन में जबरदस्त उछाल आया था, जिसके बाद मार्च में लाडाउन की नौबत आ गई थी। ज्ञात हो कि देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। त्योहारों और चुनावी मौसम में कोविड-19 के मामलों में ना सिर्फ इजाफा हो रहा है, बल्कि मरने वालों का आंकड़ा भी डराने वाला है। पिछले 24 घंटों में कोरोना के 16 हजार 156 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, कल 733 लोगों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में 17 हजार 95 लोग ठीक हुए हैं। इस बार तो स्थिति को देखते हुए मोदी सरकार पहले ही अलर्ट हो गई है। कोरोना महामारी के खात्मे को लेकर केंद्र सरकार लगातार टीकाकरण

अभियान चला रही है। टीकाकरण अभियान में कोई रह न जाए, इसके लिए केंद्र सरकार अब अगले महीने 'हर-घर दस्तक' टीकाकरण अभियान शुरू करेगी। आपको बता दें कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में बुधवार तक कोरोना की 49 लाख 9 हजार 254 डोज दी गई। इसके बाद देश में अब तक 104 करोड़ 4 लाख 99 हजार 873 लोगों को वैक्सीन लग चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पटाखों पर प्रतिबंध किसी समुदाय के खिलाफ नहीं, जान की कीमत पर उत्सव मनाने की इजाजत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पटाखों पर प्रतिबंध को लेकर बनी धारणा को दूर करते हुए कहा कि यह किसी विशेष समूह या समुदाय के खिलाफ नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह उत्सव की आड़ में नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन की अनुमति नहीं दे सकता है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने स्पष्ट किया कि वह अपने आदेशों का पूर्ण कार्यान्वयन चाहती है। उत्सव की आड़ में आप (निमार्ता) नागरिकों के जीवन के साथ नहीं खेल सकते। हम किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं हैं। पीठ ने कहा कि हम कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि हम यहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए हैं।

प्रतिबंध का आदेश विस्तृत कारण बताते हुए पारित किया गया था: सुप्रीम कोर्ट- शीर्ष अदालत ने कहा कि पटाखों पर पहले प्रतिबंध का आदेश विस्तृत कारण बताते हुए पारित किया गया था। सभी पटाखों पर प्रतिबंध नहीं था। यह व्यापक जनहित में था। एक खास छाप बन रही है। यह अनुमान नहीं लगाया जाना चाहिए कि इसे विशेष उद्देश्य के लिए प्रतिबंधित किया गया था। पिछली बार हमने कहा था कि हम भोग के रास्ते में नहीं आ रहे हैं लेकिन हम लोगों के मौलिक अधिकारों के आड़े नहीं आ सकते।

हर कोई जानता है कि दिल्ली के लोग किससे पीड़ित हैं: सुप्रीम कोर्ट- शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारियों को कुछ जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए जिससे कि इस आदेश को लागू किया जा सके। पीठ ने कहा कि आज भी पटाखे बाजार में खुलेआम उपलब्ध हैं। हम यह संदेश देना चाहते हैं कि हम यहां लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए हैं। हमने पटाखों पर शत प्रतिशत प्रतिबंध नहीं लगाया है। हर कोई जानता है कि दिल्ली के लोग किससे पीड़ित हैं।

रोजगार की आड़ में जीवन के अधिकार का उल्लंघन करने नहीं दे सकते- इससे पहले शीर्ष अदालत ने छह निमार्ताओं को यह कारण बताने का आदेश दिया था कि उनके आदेशों की अवमानना के लिए उन्हें दंडित क्यों नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह पटाखों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करते हुए रोजगार की आड़ में अन्य नागरिकों के जीवन के अधिकार का उल्लंघन नहीं कर सकता है और इसका मुख्य फोकस निर्दोष नागरिकों के जीवन का अधिकार है।

जबलपुर में हादसा: खड़े ट्रक में घुसी जननी एक्सप्रेस ड्राइवर समेत तीन की मौत, गर्भवती महिला घायल

भोपाल। जबलपुर में बुधवार देर रात नेशनल हाईवे-30 पर भीषण हादसा हुआ। पनागर रुद्राक्ष ढाबे के सामने खड़े ट्रक में पीछे से जननी एक्सप्रेस टकरा गई। ड्राइवर समेत 3 की मौत हो गई है। गर्भवती महिला समेत तीन लोग घायल हैं। जबलपुर में नेशनल हाईवे-30 पर बुधवार देर रात खड़े ट्रक में जननी एक्सप्रेस टकरा गई। इस हादसे में ड्राइवर समेत तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गर्भवती महिला, उसका पति और सास गंभीर रूप से घायल हैं। तीनों का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। हादसा बुधवार देर रात पनागर रुद्राक्ष ढाबे के सामने हुआ। पुलिस के मुताबिक ट्रक (एमपी 04 एचई 6134) ढाबे के सामने खड़ा था। बुधवार आधी रात को कटनी की ओर से आ रही जननी एक्सप्रेस (एमपी34 डी-2786) पीछे से ट्रक से टकरा गई। जननी एक्सप्रेस की रफ्तार बहुत ज्यादा थी, जिससे वाहन के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए।

उमरिया से जबलपुर जा रही थी जननी एक्सप्रेस- उमरिया में इंदबार निवासी रेखा बाई (25) को कटनी के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रैफर किया गया। इसी वजह से जननी एक्सप्रेस उसे

जबलपुर ले जा रही थी। उस समय रेखा के पति राजकुमार रावत (29), सास गीता बाई (50), रिश्तेदार पनिया बाई (25), छोटू कोल (22) और ड्राइवर घुन्नू यादव (18) सवार थे। हादसे में पनिया बाई, छोटू और घुन्नू यादव की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य तीनों मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हैं। पनागर पुलिस ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ रोड पर लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा करने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। ड्राइवर की तलाश जारी है।

चिंतन मनन

कोरोना के नए केस

ब्रिटेन में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बीते तीन दिनों से 50 हजार के करीब है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के विकसित रूप की वजह से ऐसा हो रहा है। उनका कहना है कि अगर कोविड-19 का यह रूप जल्द नहीं रोका गया, तो ब्रिटेन में जल्द ही चौथी लहर आ सकती है। कोरोना का असर पूरी दुनिया पर एक बार फिर दिखने लगा है। ब्रिटेन में करीब एक हफ्ते से हर दिन 40 हजार से ज्यादा केस देखे जा रहे हैं। बीते तीन दिन की ही बात कर लें, तो यहां प्रतिदिन 50 हजार के करीब संक्रमित मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, कोरोना के नए केस अमेरिका और रूस जैसे देशों में भी हैं। ये आंकड़े चौंकाने वाले इसलिए भी हैं, क्योंकि ब्रिटेन की लगभग 70 फीसदी, अमेरिका की करीब 60 फीसदी और रूस की 35 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज मिल चुकी हैं। ब्रिटेन व अमेरिका जैसे देशों में कोरोना फिर से भयावह रूप धारण कर रहा है। ब्रिटेन में तो कोरोना का नया वैरिएंट सामने आया है और यह बहुत तेजी से संक्रमण फैला रहा है। आलम यह है कि बीते कई दिनों से वहां पर 45 हजार के आसपास प्रतिदिन संक्रमित सामने आ रहे हैं। ऐसे में भारतीय वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत को फिलहाल सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक भारत में कोरोना का नया वैरिएंट सामने नहीं आता और यहां लोगों में बनी प्रतिरक्षा को चुनौती नहीं देता, तब तक भारत में तीसरी लहर की संभावना न के बराबर है। अगर, तीसरी लहर आएगी भी तो इसका असर कम ही होगा। हालांकि, विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि महामारी अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और ब्रिटेन में फैल रहा कोरोना यह बताता है कि हमें सावधान होने की जरूरत है। भले ही कोरोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई हो। संक्रमितों की संख्या 40,000 से घटकर 15 हजार प्रतिदिन हो गई हो, लेकिन भारत में मृत्यु दर अभी भी स्थिर है। भारत में मृत्यु दर 1.2 बनी हुई है और यह काफी दिनों से स्थिर है। यह आंकड़ा बताता है कि हमें वैक्सीनेशन की रफ्तार और भी अब बढ़ाने की जरूरत है। त्योहारी सीजन और दीपावली से पहले भारत में कोरोना के आंकड़े राहत दे रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम एहतियात बरतना बंद कर दें। कोरोना टीकाकरण 100 करोड़ पार होने के बाद देश अब महामारी से मुक्ति का इंतजार कर रहा है, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों की चिंता अभी खत्म नहीं हुई है। टीकाकरण के बाद भी कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप पर असर नहीं है। टीकाकरण अधिक होने की वजह से संक्रमण नियंत्रण में जरूर आया है, लेकिन डेल्टा वेरिएंट कमजोर नहीं पड़ा है। अगर किसी शख्स के शरीर में फुल एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है तो भी उसे कोरोना संक्रमण से सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती है, वह फिर से संक्रमण की चपेट में आ सकता है। वैज्ञानिकों ने अध्ययन में निष्कर्ष निकाला है कि वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी को संक्रमण होता है तो ऐसे मामलों की निगरानी बेहद जरूरी है क्योंकि इनके आधार पर वायरस की प्रतिक्रिया के बारे में समय रहते जानकारी मिल सकती है। इसी तरह वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद अगर कोई संक्रमित होता है तो यह संभावना अधिक है कि उसे सांस लेने में कठिनाई जैसे गंभीर लक्षण भी मिले। देश इस समय ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां कोरोना वापस भी आ सकता है और हमेशा के लिए भारत से जा भी सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी वैक्सीन लगाने को लेकर गंभीर हों और सुरक्षा के सभी उपायों को अपनाए रखें। 100 करोड़ डोज लगने के बाद भले ही एक बड़ी आबादी सुरक्षित हो गई हो, मगर जिन्हें टीका नहीं लगा है, वे समस्या तो खड़ी कर ही सकते हैं।

शुभ नहीं संकेत !

नेता और अफसर का ।
ठीक नहीं उलझना ।।
शुभ नहीं संकेत ।
सार्वजनिक यूं लड़ना ।।
है धूमिल मयार्दा ।
हरकत शर्मनाक ।।
हो रही है इज्जत ।
ऐसे में अब खाक ।।
व्यक्तिगत जो खुन्नस ।
हुई हावी आज ।।
शायद इसको देखकर ।
व्यथित है समाज ।।
लगातार है जा रहा ।
दूर-दूर संदेश ।।
कहने और सुनने को ।
ना रहा कुछ शेष ।।

-कृष्णेन्द्र राय

'संत नामदेव', अमृत का निरंतर बहता झरना

संत नामदेव का महाराष्ट्र में वही स्थान है, जो भक्त कबीरजी अथवा सूरदास का उत्तरी भारत में है। उनका सारा जीवन मधुर भक्ति-भाव से ओतप्रोत था। विट्ठल-भक्ति भक्त नामदेवजी को विरासत में मिली। उनका संपूर्ण जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। मूर्ति पूजा, कर्मकांड, जातपात के विषय में उनके स्पष्ट विचारों के कारण हिन्दी के विद्वानों ने उन्हें कबीरजी का आध्यात्मिक अग्रज माना है। वास्तव में श्री गुरु साहिब में संत नामदेव की वाणी अमृत का वह निरंतर बहता हुआ झरना है, जिसमें संपूर्ण मानवता को पवित्रता प्रदान करने का सामर्थ्य है। उनके जीवन के एक रोचक प्रसंग के अनुसार एक बार जब वे भोजन कर रहे थे, तब एक श्वान आकर रोटी उठाकर ले भागा। तो नामदेवजी उसके पीछे घी का कटोरा लेकर भागने लगे और कहने लगे 'हे भगवान, रुखी मत खाओ साथ में घी लो।'

निर्गुण संतों में संत- निर्गुण संतों में संत नामदेव का नाम अग्रणी है। उनका जन्म 26 अक्तूबर, 1270 को महाराष्ट्र के नरसी बामनी नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता श्री दामाशेट और माता श्रीमती गोणाई थीं। कुछ लोग इनका जन्मस्थान पण्डरपुर मानते हैं। इनके पिताजी दर्जी का काम करते थे; जो आगे चलकर पण्डरपुर आ गये और विट्ठल के उपासक हो गये। वे विट्ठल के श्रीविग्रह की भोग, पूजा, आरती आदि बड़े नियम से करते थे। जब नामदेव केवल पाँच वर्ष के थे, तो इनके पिता को किसी काम से बाहर जाना पड़ा। उन्होंने विट्ठल के विग्रह को दूध का भोग लगाने का काम नामदेव को सौंप दिया। अबोध नामदेव को पता नहीं था कि मूर्त्ति दूध नहीं पीती, उसे तो भावात्मक भोग ही लगाया जाता है। नामदेव ने मूर्त्ति के सामने दूध रखा, जब बहुत देर तक दूध वैसा ही रखा रहा, तो नामदेव हठ ठानकर बैठ गये। बोले - जब तक तुम दूध नहीं पियोगे, मैं हटूँगा नहीं। जब तुम पिताजी के हाथ से रोज पीते हो, तो आज क्या बात है ? कहते हैं कि बालक की हठ देखकर विट्ठल भगवान प्रगट हुए और दूध पी लिया। बड़े होने पर इनका विवाह राजाबाई

से हुआ। उससे उन्हें चार पुत्र तथा एक पुत्री की प्राप्ति हुई।

अभंगों के रचनाकार- नामदेव भारत के प्रसिद्ध संत थे। इनके समय में नाथ और महानुभाव पंथों का महाराष्ट्र में प्रचार था। पण्ढरपुर से कुछ दूर स्थित औढिया नागनाथ मन्दिर में रहने वाले विसोबा खेचर को इन्होंने अपना अध्यात्म गुरु बनाया। आगे चलकर सन्त ज्ञानदेव और मुक्ताबाई के सान्निध्य में नामदेव सगुण भक्ति से निर्गुण भक्ति में प्रवृत्त हुए और योग मार्ग के पथिक बने। ज्ञानदेव से इनका प्रेम इतना प्रगाढ़ हुआ कि वे इन्हें अपने साथ लम्बी तीर्थयात्रा पर काशी, अयोध्या, मारवाड़, तिरुपति, रामेश्वरम आदि के दर्शनार्थ ले गये। एक-एक कर सन्त ज्ञानदेव, उनके दोनों भाई एवं बहिन ने भी समाधि ले ली। इससे नामदेव अकेले हो गये। इस शोक एवं बिछोह में उन्होंने समाधि के अभंगों की रचना की। इसके बाद भ्रमण करते हुए वे पंजाब के भट्टीवाल स्थान पर पहुँचे और वहाँ जिला गुरदासपुर में घुमान नगर बसाया। फिर वहीं मन्दिर बनाकर तप किया और विष्णुस्वामी, परिसा भागवते, जनाबाई, चोखामेला, त्रिलोचन आदि को नाम दीक्षा दी।

'श्री गुरुग्रन्थ साहिब' में वाणी संकलित- सन्त नामदेव मराठी सन्तों में तो सर्वाधिक पूज्य हैं ही; पर उत्तर भारत की सन्त परम्परा के तो वे प्रवर्तक ही माने जाते हैं। मराठी साहित्य में एक विशेष प्रकार के छन्द ह्यअभंगह्न के जनक वे ही हैं। पंजाब में उनकी ख्याति इतनी अधिक रही कि 'श्री गुरु ग्रन्थ साहिब' में उनकी वाणी संकलित है। वे परमात्मा की प्राप्ति के लिए सद्गुरु की कृपा को बहुत महत्त्व देते हैं। पंजाब के बाद अन्य अनेक स्थानों का भ्रमण करते हुए वे फिर अपने प्रिय स्थान पण्ढरपुर आ गये और वहीं 80 वर्ष की अवस्था में 3 जुलाई, 1350 को उन्होंने समाधि ले ली। वे मानते थे आत्मा और परमात्मा में कोई अन्तर नहीं है। परमात्मा द्वारा निर्मित सभी जीवों की सेवा ही मानव का परम धर्म है। इसी से साधक को दिव्य दृष्टि प्राप्त होती है। सन्त नामदेव द्वारा प्रवर्तित वारकरी पन्थ के लाखों उपासक विट्ठल और गोविन्द का नाम स्मरण कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं। हरि नांव हीरा हरि नांव हीरा। हरि नांव लेत मिटै सब पीरा।। हरि नांव जाती हरि नांव पांती। हरि नांव सकल जीवन मैं क्रांती॥

पेगासस जासूसीः सरकार की किरकिरी

सर्वोच्च न्यायालय ने आज भारत सरकार की खूब खबर ले ली है। पिछले दो साल से चल रहे जासूसी के पेगासस नामक मामले में अदालत ने सरकार के सारे तर्कों, बहानों और टालमटोलों को रद्द कर दिया है। उसने कई व्यक्तियों, संगठनों और प्रमुख पत्रकारों की याचिका स्वीकार करते हुए जासूसी के इस मामले की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए हैं। यह जांच अब सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवा-निवृत्त न्यायाधीश आर.वी. रविंद्रन की अध्यक्षता में होगी और उसकी रपट वे अगले दो माह में अदालत के सामने पेश करेंगे। जब से यह खबर प्रकट हुई कि मोदी सरकार ने इस्त्राइल से जासूसी का पेगासस नामक उपकरण खरीदा है और वह भारत के सैकड़ों नेताओं, पत्रकारों, उद्योगपतियों, अफसरों आदि के कंप्यूटरों और फोन पर उस उपकरण से अपनी नजर रखता है, एक हंगामा-सा खड़ा हो गया। जब यह मामला अदालत में आया तो सरकार हकलाने लगी। वह ऐसी दिखी, जैसे कि चिलमन से लगी बैठी है। न साफ छुपती है और न ही सामने आती है। 500 करोड़ रु. के इस कीमती उपकरण का इस्तेमाल सरकार कहती है कि वह आतंकवादियों, तस्करों, ठगों और अपराधियों को पकड़ने के लिए करती है। यदि ऐसा है तो यह स्वाभाविक है। इसमें कोई बुराई नहीं है लेकिन फिर सरकार उन नामों को अदालत से भी क्यों छिपा रही है? सरकार कहती है कि ऐसा वह राष्ट्रहित में कर रही है। लेकिन क्या यह काम लोकतंत्र-विरोधी नहीं है? अपने विरोधियों, यहां तक कि अपनी पार्टी के नेताओं और अपने ही अफसरों के विरुद्ध आप जासूसी कर रहे हैं और आप अदालत से यह तथ्य भी छिपा रहे हैं कि आप उस इस्त्राइल जासूसी यंत्र-तंत्र का इस्तेमाल कर रहे या नहीं? जैसे किसी जमाने में औरतें अपने पति का नाम बोलने में हिचकिचाती थीं, वैसे ही पेगासस को लेकर हमारी सरकार की घिग्घी बंधी हुई है। अदालत ने सरकारी रवैए की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर उसे कुछ भी उटपटांग काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उसने सरकार के इस सुझाव को भी रद्द कर दिया है कि इस मामले की जांच विशेषज्ञों के एक दल से करवाई जाए। विशेषज्ञों को तो कोई भी सरकार प्रभावित कर सकती है। इसीलिए अब एक न्यायाधीश ही इस मामले की जांच करेंगे।

श्री राम के आदर्शों को करना होगा आत्मसात

मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम को आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई के रूप में जाना जाता है। श्री राम तो वो थे जिन्होंने पिता के आदेश का पालन करते हुए चौदह साल का वनवास भोगा, श्री राम वो थे जिन्होंने रावण का वध कर लोगों की रक्षा की, जिन्होंने शबरी के झूठे बेर खाए, जिन्होंने अहिल्या का उदधार किया। आज भी कई कस्बों में लोग उसी तरह एक दूसरे से जय सियाराम का संबोधन करते हैं जैसे कई लोग नमस्ते करते हैं। जय सियाराम का संबोधन मन को सुकुन देने वाला होता है लेकिन बदलते वक्त और माहौल के साथ यही संबोधन जय सियाराम से जय-जय श्री राम हो गया। जय-जय श्री राम भी ऐसा जो ऐसे शौर्य का प्रतीक हो गया जो दूसरे को कमतर या कमजोर लगे। हर्ज तो जय-जय श्री राम के उदघोष से भी नहीं है लेकिन मयार्दा ऐसी हो जो जैसी श्री राम में थी। भगवान श्री राम का पूरा जीवन ही आदर्श प्रस्तुत करता है। देखा जाए तो यदि श्री राम राजा थे तो रावण भी राजा था, श्री राम पराक्रमी और त्यागी थे तो रावण भी महाबली था लेकिन अंहकारी भी। श्री राम अवतार थे तो रावण भी परम शिवभक्त था। राम ज्ञान से परिपूर्ण थे तो रावण भी महाज्ञानी था। श्री राम ने पिता को दिया वचन निभाया तो रावण ने बहन को दिया वचन पूरा किया। बावजूद इस सबके रावण ने अपने महाज्ञान, अपनी शक्ति-बल, पराक्रम का उपयोग सहीं दिशा में नहीं किया। यही वजह है कि आज मयार्दा पुरूषोत्तम श्री राम सर्वत्र पूजे जाते हैं तो रावण जलाया जाता है। इस दीपावली पर हम भी यही प्रण लें कि, अपने ज्ञान और बल का उपयोग समाज तथा देश की तरक्की के लिए करेंगे, अपने भीतर के राम और रावण को पहचानेंगे, भगवान श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे और ऐसा होगा तभी दीपावली मनाने की सार्थकता होगी। बहरहाल, भारत मिली जुली संस्कृति का देश है। जितने मजहब, जितनी भाषा, जितनी बोलियां, जितने पारंपरिक तीज-त्यौहार यहां हैं उतने दुनिया के किसी भी देश नहीं हैं। इस देश को एक सूत्र में पिरोए रखने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हम अपने अधिकारों के लिए तो सड़क पर उतर आते हैं लेकिन कर्तव्यों को बिसार देते हैं। आज जरूरत है कि हम भगवान श्री राम की मयार्दा का अहतराम करें और ऐसी मिसाल पेश करें की दुनिया भारत को विश्व गुरू माने। आइए, इस बार जब हम दीपावली मनाएं तो एक दीप भारत की समृदिध, खुशहाली और सामाजिक सदभाव के नाम भी जलाएं।

अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय के साथ ही सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व का त्यौहार है दीपावली। दीपावली रौशनी का त्यौहार है। लेकिन जरूरी ये भी है कि महज दियों को ही नहीं दिलों को भी सकारात्मक सोच के साथ रौशन किया जाए। रावण वध और 14 साल का वनवास खत्म होने के बाद मयार्दा पुरूषोत्त्म भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस लौटने पर लोगों ने दीपमालिका सजाकर उनका स्वागत किया था। नरक चतुर्दशी को राक्षस नरकासुर पर विजय प्राप्त की थी। द्वापर युग में भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर का संहार किया था। पांडवो के 12 वर्ष के निष्कासन के साथ साथ 1 वर्ष के अज्ञातवास से वापस घर आने के उपलक्ष्य में भी दीवाली मनाई जाती है। अश्विन महीने के कृष्ण पक्ष का अन्तिम दिन यानि दीवाली पर मारवाडी अपना नया साल मनाते हैं। गुजराती भी चन्द्र कलैण्डर (कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष के पहले दिन) के अनुसार दीवाली से एक दिन बाद अपना नया साल मनाते है। दीवाली को जैन धर्म में 527 ई.पू. महावीर स्वामी के मोक्ष या निर्वाण प्राप्ति के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। आर्य समाज के लोग इसे शरदीय नव-शयष्टी के रुप में मनाते है। दीप पर्व की देवी श्रीलक्ष्मी हैं। कहा जाता है कि उन्होंने इसी रात पति रूप में विष्णु का वरण किया। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। इसी दिन गुप्तवंशीय राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने विक्रम संवत की स्थापना की थी। अतः यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। आज ही के दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने राजा बलि को पाताल लोक का स्वामी बनाया था और इन्द्र ने स्वर्ग को सुरक्षित जानकर दीपावली मनाई थी। इसी दिन समुद्र मंथन के समय क्षीरसागर से लक्ष्मीजी प्रकट हुई थीं और भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया था। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से माता लक्ष्मी को मुक्त करवाया था। इसी दिन आर्यसमाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का निर्वाण हुआ था। स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा आर्य समाज की स्थापना भी इसी दिन की गई थी। सिख धर्म के लिए भी दीपावली बहुत महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन को सिख धर्म के तीसरे गुरु अमरदास जी ने लाल पत्र दिवस के रूप में मनाया था जिसमें सभी श्रद्धालु गुरु से आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इसके अलावा सन 1577 में अमृतसर के हरिमंदिर साहिब का शिलान्यास भी दीपावली के दिन ही किया गया था।

दीवाली का पॉच दिनों का समारोह अलग अलग महत्वों को दशार्ता है। दीवाली का पहला दिन, धनतेरस हिंदूओं के नये वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ को दशार्ता है। धनतेरस भगवान धनवंतरी (देवताओं के चिकित्सक के रूप में भी जाना जाता है) की जयंती के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि उनकी उत्पत्ति सागर मंथन के दौरान हुई थी। दीवाली का दूसरा दिन छोटी दीवाली या नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है जो भगवान कृष्ण की राक्षस नरकासुर पर जीत के रुप में जाना जाता है। दीवाली का तीसरा दिन लक्ष्मी पूजा या मुख्य दीवाली के नाम से जाना जाता है। इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है और देवी लक्ष्मी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में इसे मनाया जाता है। दीवाली का चौथा दिन बली प्रतिप्रदा या गोर्वधन पूजा के नाम से जाना जाता है। भगवान विष्णु की राक्षस राजा बाली पर विजय के साथ साथ भगवान कृष्ण की देवराज इन्द्र पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। दीवाली का पांचवा और अंतिम दिन यम द्वितीया या भाई दूज के नाम से जाना जाता है। मृत्यु के देवता यम और उनकी बहन यामी (अर्थात यमुना नदी) की कथा भाईदूज से जुडी हुई है।

महावीर स्वामी प्रज्ञाते नमः- जैन धर्म में दीवाली का अपना महत्व है। माना जाता है दीपावली के दिन, भगवान महावीर (युग के अंतिम जैन तीर्थंकर) ने 15 अक्टूबर 527 ईसा पूर्व को पावापुरी में कार्तिक के महीने (अमावस्या की सुबह के दौरान) की चतुर्दशी पर निर्वाण प्राप्त किया था। कल्पसूत्र (आचार्य भद्रबाहु द्वारा रचित) के अनुसार, ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में वहां अंधेरे को प्रकाशित करने के लिए कई देवता थे। यही कारण है कि दीवाली जैन धर्म में महावीर स्वामी के मोक्ष प्राप्ती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसके साथ ही दीवाली के चौथे दिन या दीवाली प्रतिप्रदा को नये वर्ष की शुरूआत होती है। जैन धर्म में भगवान से प्रार्थना करने के लिये दीवाली पर पावा-पुरी की यात्रा करने का भी महत्व है। व्यवसायी धन की पूजा के साथ ही लेखा बहियों की पूजा करके धनतेरस मनाते हैं। काली चौदस पर विशेषतः महिलाओं द्वारा दो दिन का उपवास रखने की परंपरा है। अमावस्या के दिन भगवान की पूजा की जाती है। जैन धर्मावलम्बी महावीर स्वामी प्रज्ञाते नमः का जाप करते है। नए साल के दूसरे दिन महावीर स्वामी की मूर्ति की शोभायात्रा भी निकाली जाती है।

सिखों के लिए बंदी छोड़ दिवस- सिखों के लिए दीवाली का अपना महत्व है। सन 1619 में सिक्ख गुरु हरगोबिन्द जी को ग्वालियर के किले में 52 राजाओं के साथ मुक्त किया जाना भी इस दिन की प्रमुख ऐतिहासिक घटना रही है। इन राजाओं और हरगोबिंद सिंह जी को बादशाह जहांगीर ने नजरबंद किया हुआ था। जेल से मुक्त होने के बाद हर गोबिंद जी अमृतसर के स्वर्ण मंदिर गए थे। लोगों ने उत्साह के साथ पूरे शहर को सजाकर और दीए जलाकर अपने गुरु की आजादी का जश्न मनाया। उस दिन से गुरु हरगोबिंद जी बंदी-छोर अर्थात मुक्तिदाता के रूप में जाने जाने लगे। सिख धर्मावलम्बी अपने गुरु की मुक्ति दिवस के रूप में दीवाली मनाते हैं यही कारण है कि यह बंदी छोड दिवस के रूप में भी जाना जाता है। सिखों के दीवाली मनाने का एक और महत्व साल 1737 में भाई मणि सिंह जी की शहादत है। दीपावली के दिन पर उन्होंने खालसा की आध्यात्मिक बैठक में कर का भुगतान करने से इंकार कर दिया, जो मुगल सम्राट द्वारा लगाया गया था।

पाक की जीत पर पटाखे

भारत के शीश (कश्मीर) में एक बार फिर ह्यसरदर्दह्य काफी बढ़ गया है, आजादी के बाद से आज तक कोई भी सरकार कश्मीरी अवाम को भारत के पक्ष में नही कर पाई और अब देश के गृहमंत्री कश्मीर में है तो भी वहां आतंकी घटनाएं जारी है, आज ही बांदीपोरा में किए गए विस्फोट में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, अमित शाह जी लाख कश्मीर में जाकर कहे कि हम कश्मीरियों की सोच बदलना चाहते है और कश्मीरियों को हर तरह की सुविधा प्रदान करना चाहते है, किंतु उनके इस प्रयास से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि वास्तव में कश्मीरियों के हित की बात कर रहे है या आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और सरकार का प्रचार कर रहे हैं? एक तरफ वे मंच से ह्यबुलेट प्रुफह्य आवरण हटवा रहे है और दूसरी ओर किसी होटल या सरकारी अतिथि गृह के बजाये सीआरपीएफ के कैम्प में रात्रि विश्राम कर रहे है, आखिर यह सब क्या प्रदर्शित करता है? यहां तक तो फिर भी ठीक है, किंतु केन्द्रीय गृहमंत्री के कश्मीर में रहते वहां के पाक परस्त लोगों ने टी-20 विश्वकप के मैच में भारत के विरूद्ध पाक की जीत पर पटाखें फोड़े और वहां का सुरक्षा बल यह सब देखता रहा? क्या यह कम आश्चर्यजनक है? अरें.... जिस कश्मीर के आवाम को पचहत्तर सालों के प्रधानमंत्रीगण भारत के पक्ष में नही कर पाये, उस आवाम को भारत के पक्ष में करने का गृहमंत्री जी का प्रयास ह्यशेखचिल्लीह्य का प्रयास नहीं माना जाएगा? स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कश्मीरियों की सर्वदलीय बैठक बुलवाकर उन्हें भारत के पक्ष में नहीं कर पाये, वह क्या अमित भाई तीन दिन के कश्मीर दौरे में कर पाएगें? यदि आज के शासन

के कर्णधार ज्यादा नहीं आजादी के बाद भारत के विभाजन के समय के ह्यकश्मीर प्रसंगह्न को जान लेते तो उन्हें समझ आ जाता कि कश्मीरियों को पटाना कितनी ह्यटेढ़ी खीरह्य है? भारत के विभाजन के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर प्रकरण में शेख अब्दुल्ला जी को कश्मीर में जनमत संग्रह करवाकर वहां के लोगों की आम राय जानने का लिखित समझौता किया था, किंतु नेहरू जी तो क्या उनके बाद के भी किसी प्रधानमंत्री ने नेहरू के लिखित समझौते का पालन करने की हिम्मत नहीं दिखाई और मौजूदा दौर में कश्मीरी जो अपना पाक प्रेम उजागर कर रहे है, उसके चलते नरेन्द्र भाई मोदी जी भी क्या कश्मीर को लेकर सात दशक पहले हुए लिखित समझौते का पालन करवा पाएगें? आज जो कुछ भी कश्मीर में हिंसक वारदातें हो रही है, उसमें पाक आतंकियों के साथ कश्मीरियों के जुड़े होने के सबूत कई बार मिल चुके है और पाक की जीत पर पटाखें फोड़े जाने पर पीडीपी नैत्री महबूबा मुती की आई प्रतिक्रिया पढ़ लीजिए, इससे क्या प्रतीत होता हैश अब ऐसी हालत में क्या कश्मीरियों को भारत के प्रति लगाव संभव है? भाजपा की केन्द्र सरकार की सबसे बड़ी चिंता ही यही है, आखिर वहां राष्ट्रपति शासन कब तक रखा जा सकता है, उसकी भी तो कोई समयसीमा होगी ही? और यदि मौजूदा स्थिति में वहां विधानसभा चुनाव कराये जाते है तो भाजपा की सबसे बड़ी चिंता ही यही है कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने के सरकार के फैसले ने कश्मीरियों के घाव और गहरे कर दिये है और अब हर कश्मीरी सरकार व भाजपा के खिलाफ है, ऐसे में आखिर केन्द्रीय गृहमंत्री जी वहां क्या कर पायेगें?

इस तरह कुल मिलाकर कश्मीर आज भी भारत का ह्यसरदर्दह्य है और इसके कम होने की फिलहाल कोई संभावना नजर नहीं आ रही है और यही नहीं भाजपा के ऐसे प्रयासों से आम कश्मीर और अधिक उद्वेलित हो रहा है, इस समस्या का हल खोजने के लिए ह्यअन्तर्राष्ट्रीय मध्यस्थताह्न या संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था के प्रयास जरूरी है।

कोरोना काल में बेजान हाथों की देखभाल

कोरोना वायरस की महामारी से दुनिया भर में लोग डर के साये में जी रहे हैं। लोग मजबूरन वायरस के साथ जिन्दगी जीने के आदी बनते जा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के वैक्सीन ढूंढ़ने के अबतक के प्रयासों में मिली निराशा के बीच मास्क, फेस कवर, सोशल डिस्टैन्सिंग तथा हाथ धोने को ही इस बीमारी की रोकथाम का कारगर उपाय माना जा रहा है। एक्सपर्ट्स, डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों ने बार-बार हाथों को बीस मिनट तक गुनगुने पानी/ साबुन से धोने की सलाह दी है। ऐसे में कुछ बड़ी कम्पनियाँ हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि उत्पादों के प्रचार करने पर जुटी हैं ताकि इस महामारी में भी मुनाफा कमाया जा सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि कोरोना वायरस के केमिकल मेकअप को खतम करने का सबसे प्रभावी और आसान तरीका साबुन और गर्म पानी से हाथ धोना ही है क्योंकि इससे वायरस के ऊपर चढ़ा लिपिड का आवरण हट जाता है और वायरस निष्क्रिय हो जाता है। साबुन और पानी से वायरस का बाहरी खोल घुल जाता है जिससे वायरस की कापियां बनाने वाले अनुवंशिक पदार्थ को निष्क्रिय कर बहा देता है। डॉक्टरों की मानें तो आप हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि का उपयोग सफर के दौरान या वहां कर सकते हैं जहां साबुन/पानी की उपलब्धता नहीं है।

अब जबकि हाथ धोने को बीमारी रोकने का मूलमंत्र माना जा रहा है तो ऐसे में सवाल उठता है कि बार-बार साबुन से हाथ धोने से हाथ की बाहरी संवेदनशील त्वचा में जलन, खुजली, सूखापन, एक्जिमा, डर्मेटाइटिस आदि बीमारियों को कैसे रोका जाये। मेरा मानना है कि साबुन, केमिकल, डिटर्जेंट और अल्कोहल आधारित सेनिटाईज़र का हाथों पर बार-बार प्रयोग से एपिड मिर्स की ऊपरी त्वचा में प्रोटीन को नुकसान पहुंचेगा जिससे हाथ लाल, खुरदरे, सूखे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से आपके हाथों में कट लग सकते हैं, जिससे बैक्टीरिया हमारी त्वचा में प्रवेश कर सकता है, जिससे 'एक्जिमा' जैसे रोग घर कर सकते हैं। आपके हाथों में झुनझुनी का अहसास हो सकता है और त्वचा फफोलेदार और पीड़ादायक हो सकती है। वास्तव में हाथों की पिछली ओर की त्वचा काफी पतली होती है तथा इसमें तैलीय ग्रन्थियों की कमी रहती है, जिसकी वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ जाती हैं। बार-बार साबुन से हाथ धोने से नाखून भी शुष्क होकर भुरभुरे हो जाते हैं। हमारी त्वचा की बाहरी परत वॉटरप्रूफ बैरियर की तरह काम करती है। यह परत समतल कोशिकाओं से बनी होती है जो त्वचा की सामान्य नमी को बनाए रखते हुए त्वचा की बाहरी पदार्थों से रक्षा प्रदान करती है। जब हम हाथों को साबुन के झाग से बार-बार धोते हैं तो यह प्राकृतिक बैरियर टूट जाता है तथा हाथों की त्वचा को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है तथा ऐसे में हाथों की त्वचा की रक्षा करना अनिवार्य हो जाता है।

सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा हाथ सूखने के बाद ही हैंड क्रीम लगाएं। हाथों के अच्छी तरह सूखने से बैक्टीरिया और वायरस दोनों मर जाते हैं जबकि गीली त्वचा से इनके फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सिंगल यूज़ नैपकिन का प्रयोग करें क्योंकि एक ही कपड़े से बार-बार हाथ पोंछने से बैक्टीरिया के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हाथ सूखने के बाद त्वचा पर जैल या खुशबू रहित हैंड क्रीम उपयोग में लाएं या मॉइस्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। सबसे पहले सुबह के स्नान के समय हाथों को आयॅल तथा माईस्चराईज करने से शुरुआत करनी चाहिए।

कुछ घरेलू नुस्खे

- कच्चे दूध की मालिश हाथों को कोमल बनाये रखने में काफी मददगार साबित होती है। कच्चे दूध को निकालकर फ्रिज में रख लीजिये और जब भी समय मिले, हाथों-पांवों पर मलकर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी तथा त्वचा पर जमी मैल, गन्दगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं या 1-2 दिन के अंतराल के बाद उपयोग कर सकते हैं।
- स्नान से पहले हाथों पर गुनगुना तेल लगाकर हाथों पर अच्छी तरह मालिश कीजिए जिससे हाथों की त्वचा मुलायम हो जाये। इसके लिए आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग करें तो ज्यादा बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉइस्चराईजर लगा लीजिए जिससे त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
- बादाम, दही और चुटकी भर हल्दी डालकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद हाथों को ताजे ठण्डे पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकते हैं। रात्रि को सोने से पहले हाथों पर पौष्क क्रीम की हल्के मालिश करने के बाद सो जाइए।
- हाथों की त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू हर्बल प्रसाधनों की मदद भी ले सकती हैं। आजकल बाजार में कई तरह के मॉइस्चराईजर, हैंड क्रीम आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा पोषक होती है। पानी पर आधारित लोशन लगाने से त्वचा में सूखापन बढ़ जाता है क्योंकि पानी हवा में उड़ जाता है। इसके मुकाबले ऑयल पर आधारित क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी तथा लाभप्रद रहता है। जब भी आपके हाथ शुष्क हों तो तत्काल हैंड क्रीम लगाना कतई ना भूलें। हाथों को धोने के लिए उपयोग किए जाने वाले साबुन हल्के तथा सुगन्धरहित होने चाहिए।
- चार चम्मच बादाम तेल, एक चम्मच गुलाब जल तथा आधा चम्मच टिनचर बेंज़ोइन को मिलाकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर, सूती कपड़े से लपेटकर हाथों को ढंक लें तथा इसे रात भर हाथों पर लगा रहने के बाद सुबह ताजे सामान्य पानी से धो डालिए। इससे आपके हाथ कोमल तथा मुलायम हो जायेंगे।
- लोशन की बजाय अगर आप क्रीम/आयॅन्टमैंट को प्राथमिकता दीजिए क्योंकि यह ज्यादा प्रभावी होते हैं।
- नींबू जूस और चीनी को हाथों पर रगड़ने से त्वचा मुलायम होती है।
- दो चम्मच सूर्यमुखी तेल, 2 चम्मच नींबू जूस तथा तीन चम्मच चीनी को मिलाकर बनाये मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घण्टे बाद हाथों को ताजे साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकते हैं।
- यदि आपकी त्वचा कैमिकलयुक्त साबुन, डिटरजैंट के प्रति संवेदनशील है तो आप बर्तन धोते समय हाथों पर दस्ताना पहनना कतई न भूलें। एक चम्मच खमीर को एक गिलास ताजे जूस में डालकर पीने से नाखून तथा त्वचा बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक रहती है।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं।)

पतले बालों को दही की मदद से बनाएं घना-लंबा

दही का इस्तेमाल वैसे तो हर घर में खाने की थाली में किया जाता है। लेकिन वास्तव में यह स्किन और हेयर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उसकी चमक को वापिस लौटाने में मदद करता है। यदि आपके हेयर्स सूखे और डैमेज्ड हैं या फिर आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं, जिससे वह काफी पतले हो गए हैं तो ऐसे में आपको दही के मास्क को अपने बालों में अप्लाई करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको दही की मदद से बनने वाले कुछ हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं-

अंडा और दही मास्क

अंडे की जर्दी में पेप्टाइड्स होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि आपके बाल तेजी से और स्वस्थ हों। इसके लिए आप एक अंडे को तोड़कर अच्छी तरह फेंट दें, ताकि उसका येलो व व्हाइट भाग अच्छी तरह मिक्स हो जाए। अब इसमें 2 बड़े चम्मच दही डालकर पेस्ट बनाएं। बस अब अपने बालों के सेक्शन्स करके इस मिश्रण को रूट्स से लेकर जड़ों पर लगाएं। करीबन आधे घंटे के लिए उसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में शैम्पू और ठंडे पानी की मदद से बालों को वॉश करें।

केला और दही मास्क

केले में पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन होते हैं जो बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। यह स्कैल्प के स्वास्थ्य में सुधार करता है, रूसी को कम करता है और बालों को चमकदार बनाता है। यह हेयर ब्रेकेज की समस्या को भी दूर करता है, जिसके कारण आपके हेयर फिर से घने होने लगते हैं। इस मास्क को बनाने के लिए आधा पका हुआ केला लेकर उसमें एक बड़ा चम्मच दही, तीन चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिक्स करके स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब इसे रूट्स से लेकर टिप्स पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

दही और शहद मास्क

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने बालों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आखिरी में एक माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

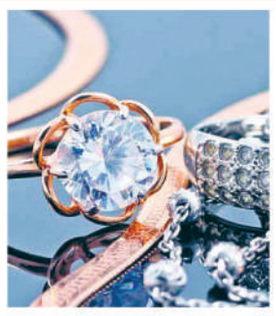

लेयर्ड ज्वेलरी के साथ स्टाइल

किसी भी तरह के कपड़े पहन लें, लेकिन ज्वेलरी के बिना अच्छा लुक उभरकर नहीं आता। भले ही ज्वेलरी लाइटवेट हो या एंटीक या बोल्ड...कोई भी। आजकल ट्रेंड में है लेयर्ड ज्वलेरी। इसमें एक नहीं 2-3 ज्वेलरी पीस एक साथ पहने जाते हैं। मेटल गोल्ड, सिल्वर, फंकी, ऑक्सीडाइसड...को अलग-अलग पहनें या एक साथ। इसमें खास होती है लेयरिंग और स्पेसिंग। आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं लेयर्ड ज्वेलरी।

लेयर्ड से दिखें ट्रेंडी

ये हर उम्र की महिला और हर तरह के आउटफिट पर फबती है। इसे बाज़ार से खरीदने के अलावा आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं। ये उन महिलाओं के लिए मुफीद है जिन्हें अपनी पुरानी ज्वेलरी से अधिक मोह होता है। जानते हैं कुछ आइडियाज़, जो पुरानी ज्वेलरी को लेयर लुक देंगे।

नेक ज्वेलरी

सामन्य नेक ज्वेलरी को नेक लेयर ज्वेलरी बनाने के लिए ज़रूरी नहीं कि सोने व चांदी की ही ज्वेलरी हो। स्टोन चेन, पर्ल चेन या प्लेन गोल्ड चेन को भी लेयर ज्वेलरी बना सकते हैं। कॉलर बोन तक आती गोल्ड चेन के साथ लंबी प्लेन गोल्ड चेन या पर्ल चेन के साथ पहनें। लंबाई में छोटी-बड़ी चेन के साथ शानदार लेयरिंग की जा सकती है। हैवी ज्वेलरी पहन रही हैं, तो चोकर को भारी व लंबी पेंडेंट चेन से लेयर करें।

ध्यान रहे कि जितनी भी लेयरिंग करें, सभी दिखनी चाहिए। इसमें हैवी ज्वेलरी को डेलीकेट ज्वेलरी से भी लेयर किया जा सकता है। कोशिश करें कि लेयरिंग में सभी ज्वेलरी एक ही मेटल की हों। इसमें आप कई सारी एक ही लंबाई की नेक ज्वेलरी को एक साथ न पहनें।

रिंग्स का मैजिक

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें। कॉकटेल रिंग को भी समान मेटल के साथ लेयर करें। आजकल बाज़ार में टिप फिंगर रिंग भी मिलती हैं। 2-3 रिंग की लेयरिंग करने के बाद उसी अंगुली में टिप फिंगर रिंग हाथ को न्यू लुक देती है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन शॉपिंग में किफायती दाम में नकल मिडी फिंगर टिप रिंग मिलती है। इनमें बेस रिंग के अलावा 3-4 रिंग होती है, जो पूरी अंगुली को कवर करती है। दोनों हाथों की 1-1 अंगुली को रिंग्स से लेयर्ड करें। थंब रिंग को टिप फिंगर रिंग से लेयर करें।

बैंगल-ब्रेसलेट की लेयर

कई तरह के डिज़ाइन, टेक्सचर व शेप के ब्रेसलेट खरीदें। चूड़ियों को ब्रेसलेट के साथ भी लेयर किया जा सकता है। एक स्ट्रैंड वाले ब्रेसलेट को प्लेन व डिज़ाइन वाली सोने की चूड़ियों से लेयर कर सकते हैं। डबल स्ट्रैंड वाले ब्रेसलेट को गोल्ड बैंगल से लेयर करें। इमेज, नाम या क्यूट ब्रेसलेट को सिंपल ब्रेसलेट के साथ लेयर कर सकते हैं। मंगलसूत्र ब्रेसलेट भी चलन में है।

बॉलीवुड में भी हिट

हाल ही में फैशन डिज़ाइनर मसाबा गुप्ता के एक्टर्स सोनम कपूर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की गई। इसमें सोनम कपूर ने डायमंड चोकर नेकपीस को नेक टाइट सिंगल स्ट्रैंड डायमंड चेन से लेयर किया था। कुछ तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ने भी लेयर्ड ज्वेलरी पहनी है। एक तस्वीर में दीपिका ने हैवी मेकअप के साथ 3 गोल्ड चेन की लेयरिंग की है। दूसरी में एक हाथ में 2 बैंगल के बीच ब्रेसलेट पहना है।

मेकअप टिप

हैवी मेकअप के साथ लाइट वेट वाली ज्वेलरी के साथ लेयरिंग करें। इसके साथ ही हैवी वेट की ज्वेलरी की लेयरिंग के साथ न्यूड मेकअप करें।

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें।

जब आपका वज़न बढ़ने लगे

आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है।

वर्तमान युग में बच्चों से लेकर युवाओं तक सभी मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। मोटे व्यक्ति को जहां दूसरों के समाने शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, वहीं उसके शरीर में अनेक बीमारियां भी अपना घर बना लेती हैं। आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है। इसलिए अगर आप वास्तव में ही अपना वजन कम करना चाहते हैं तो सही ढंग से नाश्ता करें। जब हम आवश्यकता से अधिक कैलोरीयुक्त भोजन खा लेते हैं तो यह अतिरिक्त कैलोरी हमारे पेट, नितम्बों व कूल्हों में जमा हो जाती है इसलिए वजन घटाने हेतु यह अति आवश्यक है कि आप अपने भोजन में कैलोरी की मात्र को कम से कम रखें। दिन भर में एक या दो बार पेट भर भोजन करने की बजाए 4-5 बार थोड़ा-थोड़ा खाएं। यह निश्चित रूप से आपके वजन को कम करने में सहायक होगा। इससे हमारी शरीर की मंद चयापचय क्रि या तीव्र होती है। दिन में 4-5 बार किया भोजन हमारे शरीर में ऊर्जा की पूर्ति भी करता है और हमारी भूख भी शांत रहती है। रेशे भी वजन को कम करने में सहायक हैं। ये आंतों में जमी चरबी को सोखते हैं। ऐसे रेशे हजारों सूक्ष्म धागों से मिलकर बने होते हैं। जब हम रेशेयुक्त भोजन खाते हैं तो ये धागे हमारे वसा कणों में इर्द गिर्द लिपट जाते हैं और उनका पूरी तरह पाचन नहीं होने देते। इस प्रकार वसा हमारे शरीर में जमा होने से पूर्व ही बाहर निकल जाती है। रेशेयुक्त भोजन देर से हज़म होता है व इसे पचाने हेतु शरीर को अधिक श्रम करना पड़ता है जिसमें अधिक ऊर्जा खर्च होती है। व्यायाम शरीर की अतिरिक्त चर्बी को घटाने का कारगर नुस्खा है। इसके लिए आपको जिम या हैल्थ क्लब जाने की जरूरत नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार एक दिन में 30 मिनट का शारीरिक श्रम, जिम में सप्ताह में पांच दिन 20 से 60 मिनट लगातार व्यायाम करने के बराबर होता है। अत- अधिक से अधिक शारीरिक श्रम करने का प्रयास करें। मोटापे के कारण शरीर की चयापचय क्रिया मंद पड़ जाती है जिसमें आप व्यायाम द्वारा वृद्धि कर सकते हैं। अपने खानपान के प्रति सतर्क रहने हेतु आपको चाहिए कि आप एक ऐसा चार्ट तैयार करें जिसमें आपका दिनभर का भोजन शामिल हो। दिन में 4-5 बार जो भी खाए,वह इस चार्ट पर नोट करें। एक सप्ताह के बाद इसे चेक करें कि आपने कब, कितनी मात्रा में किस तरह का भोजन खाया, रेशेयुक्त, कैलोरीयुक्त, फास्ट फूड या फिर अन्य प्रकार का भोजन। एक-एक सप्ताह के बाद चार्ट को चेक करने के साथ ही अपना वजन भी तोलें। इससे आपको पता चल जाएगा कि किस तरह के भोजन से आपका वजन कम होता है। इसके लिए आप आहार विशेषज्ञों की सलाह भी ले सकते हैं।

निर्मित किया जा रहा है 'सक्सेशन' का सीजन 4

लास एंजिल्स (आईएएनएस)। अमेरिकी व्यंग्यात्मक ब्लैक कामेडी-ड्रामा टेलीविजन श्रृंखला 'सक्सेशन' का सीजन 4 एचबीओ द्वारा निर्मित किया जा रहा है। जेसी आर्मस्ट्रांग द्वारा बनाए गए शो की रेटिंग 17 अक्टूबर को सीजन 3 के प्रीमियर के बाद से बढ़ गई है। वैराइटी डाट काम की रिपोर्ट के अनुसार सीजन 3 के पहले एपिसोड ने उस रात एचबीओ के प्लेटफार्मो पर 1.4 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया। नेटवर्क के अनुसार, मई 2020

में एचबीओ मैक्स के लान्च होने के बाद से, यह किसी भी एचबीओ श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ प्रीमियर-नाइट रेटिंग थी। एचबीओ के अनुसार 'सक्सेशन' के दूसरे सीजन के दर्शकों की संख्या औसतन 5 मिलियन थी। 'सक्सेशन' के सीजन 2 ने सात एम्मी जीते थे, जिसमें उत्कृष्ट नाटक के लिए शीर्ष पुरस्कार भी शामिल है। 'सक्सेशन' के सीजन 3 में, राय परिवार के सदस्य वेस्टार राय को पर नियंत्रण के लिए एक साजिश भरी लड़ाई करते हैं। कहानी तख्तापलट के इर्द-गिर्द घूमती है। तीसरा सीजन शुरू होने से पहले वैराइटी के साथ एक साक्षात्कार में, आर्मस्ट्रांग ने इस बारे में बात की कि यह शो कितने समय तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि मैं ये नहीं बता सकता हूं। मुझे केवल इतना पता है कि 'सक्सेशन' का टाइटल एक प्रामिस (वादा)है, जिसके पूरा होने के बाद इस कहानी का अंत होना ही है। यह हमेशा के लिए नहीं चल सकती।

तीन से चार मिनट तक करें मंजन

बर्मिंघम (द कन्वरसेशन)। हम में से कई लोग इस सलाह से अवगत हैं कि हमें दिन में दो बार और हर बार कम से कम दो मिनट तक अपने दांत साफ करने चाहिए। कई लोगों का कहना है कि केवल एक मिनट तक मंजन करना यानी दांतों को ब्रश करना पर्याप्त है, जबकि कुछ साक्ष्यों का कहना है कि दो मिनट तक मंजन करना भी पर्याप्त नहीं है। अनुसंधान के अनुसार दांतों पर जमी प्लाक या गंदगी की सख्त परत हटाना बेहतर है और इसके लिए तीन से चार मिनट तक मंजन करना चाहिए। क्या इसका अर्थ यह है कि हमें दांत साफ करने का अपना समय दुगुना कर देना चाहिए?

दंतचिकित्सकों ने 1970 के दशक में दो मिनट तक मंजन करने की सलाह देनी शुरू कर दी थी और बाद में उन्होंने नरम ब्रश का इस्तेमाल करने की सलाह देनी आरंभ की। हालांकि आज ब्रश करने के समय, तकनीक और टूथब्रश के प्रकार को लेकर को जो सर्वसम्मति बनी है, वह 1990 के दशक से प्रकाशित अध्ययनों के आधार पर ही बनी है।

केवल ब्रश से नहीं हटाया जा सकता माइक्रोबियल बायोफिल्म

इन अध्ययनों में बताया गया है कि दो मिनट ब्रश करने से दांतों से बेहतर (उत्कृष्ट तरीके से नहीं) तरीके से गंदगी हट जाती है। दो मिनट से अधिक समय तक ब्रश करने से अधिक प्लाक हटते हैं, लेकिन अभी इस बात का पता लगाने को लेकर पर्याप्त अनुसंधान नहीं किया गया है कि क्या दो मिनट से अधिक समय तक मंजन करने से दीर्घकाल में दांत अपेक्षाकृत अधिक मजबूत बनाए रखने में मदद मिलती है। जब हम अपने दांतों को ब्रश करते हैं, तो हम दांतों की सतहों से कीटाणुओं (जिन्हें दांतों के प्लाक के रूप में जाना जाता है) को हटाने के मुख्य उद्देश्य से ऐसा करते हैं। यह प्लाक बैक्टीरिया, कवक और वायरस का एक संचय है जो एक माइक्रोबियल बायोफिल्म के रूप में जाने जाने वाले समुदाय में एक साथ रहते हैं। बायोफिल्म बहुत चिपचिपे होते हैं और इन्हें केवल ब्रश करके ही हटाया जा सकता है। अपने दांतों को ठीक से या लंबे समय तक ब्रश न करने से इस प्लाक का स्तर बढ़ सकता है, जिससे अंततः हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सक्रिय हो सकती है और मसूड़ों में सूजन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। यह सूजन आमतौर पर दर्दनाक नहीं होती है, लेकिन ब्रश करते समय मसूड़ों से अक्सर खून बहता है और कभी-कभी सांसों से बदबू आती है। बायोफिल्म भी दांतों की सड़न का कारण बन सकती हैं।

उचित तकनीक

मौजूदा साक्ष्यों के आधार पर सलाह दी जाती है कि हर बार चार मिनट तक ब्रश करके दांतों को बेहतर तरीके से साफ किया जा सकता है, लेकिन दांतों को दिन में दो से अधिक बार साफ करने से बचें और सख्त बाल वाले ब्रश का इस्तेमाल नहीं करें। इससे आपके दांतों और मसूड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। आप दांतों को ब्रश करने के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। संशोधित 'बास' तकनीक का इस्तेमाल करने की सर्वाधिक सलाह दी जाती है। इसका उद्देश्य मसूड़ों के निचले हिस्से तक सफाई करना है। यह दांत का वह हिस्सा है, जहां प्लाक सबसे पहले बनते हैं और इसी के कारण सूजन होने की सबसे अधिक संभावना होती है। आपको अपने दांत बहुत जोर से साफ नहीं करने चाहिए। कोमलता से दांत ब्रश करने को प्राथमिकता दी जाती है ताकि हम अपने मुंह के सख्त और कोमल ऊतकों को नुकसान न पहुंचा दें।

ब्रश करने के अलावा 'फ्लास' (दांत साफ करने के धागे) के जरिए भी दांत साफ करने की सलाह दी जाती है। टूथ पिक, वाटर जेट, या जीभ साफ करने वाले क्लीनर जैसे अन्य उपकरणों के प्रभाव के बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। हम भले भी इस सलाह को मानते हों कि हमें दिन में दो बार और हर बार दो मिनट तक ब्रश करना चाहिए, लेकिन यह भी महत्वपूर्ण है कि हम दांत साफ करने की उचित तकनीक पर ध्यान केंद्रित करें। दो मिनट से अधिक समय तक ब्रश करके हमारे दांतों से अधिक पट्टिकाएं हटाने में मदद मिल सकती है, जिससे हमारे दांत और मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।

यूपी को मिलेगा पहला ड्राइव-इन थिएटर

लखनऊ (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश को दिवाली पर अपना पहला ड्राइव-इन थिएटर (कार में बैठकर फिल्म देखना) मिलने वाला है। लखनऊ में ड्राइव-इन थिएटर, जो 2 नवंबर से चालू होगा, दिवाली पर बड़ी भीड़ के आने की उम्मीद है। सरोजिनी नगर क्षेत्र में 200 कारों की क्षमता वाली यह सुविधा स्थापित की गई है। लोग भोजन और अन्य सुविधाओं का आनंद लेते हुए अपनी कारों में आराम से फिल्में देख सकते हैं। लखनऊ के वाणिज्यिक पायलट और व्यवसायी, 22 वर्षीय, नीतीश कांडा, (जिन्होंने उद्यम शुरू किया) ने कहा, यह ना केवल शहर के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए एक नया अनुभव होगा, क्योंकि यह उत्तर प्रदेश में पहला ड्राइव-इन थिएटर है। हमने 40 बाय 20 फीट वाली एक डिजिटल एलईडी स्क्रीन लगाई है, जो सूरज की रोशनी में भी अच्छी तरह से काम करती है।

फिलहाल, हम शाम और रात के शो करेंगे। जिला प्रशासन और नगर निगम ने सुविधा के लिए अनुमति दे दी है और टिकट आनलाइन और आफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा, डिजिटल एलईडी स्क्रीन एक प्रोजेक्टर की तुलना में बेहतर क्वालिटी की तस्वीर मुहैया कराती है। इसे सभी कोणों से 180-डिग्री देखने के बाद एक जैसा ही दिखाई देता है। साउंड सिस्टम को कार के एफएम की फ्रीक्वेंसी के लिए भी ट्यून किया जाएगा और आडियो को वाहन के अंदर चलाया जाएगा।

अर्चना पूरन सिंह से क्यों डरते हैं राजकुमार राव?

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेता राजकुमार राव ने द कपिल शर्मा शो पर साझा किया कि वह अर्चना पूरन सिंह से क्यों डरते हैं? उन्होंने होस्ट कपिल शर्मा से कहा कि मैं आपके साथ एक घटना साझा करूंगा जो मुझे लगता है, मैंने आपको पहले कभी नहीं बताई है। एक बच्चे के रूप में मैं कभी भी किसी चीज से नहीं डरता था। आप मुझे कहीं भी भेज सकते हैं, यहां तक कि एक पुरानी अंधेरी हवेली में भी। फिर एक हॉरर शो आया। इसके पहले एपिसोड में, अर्चना मैम ने अभिनय किया था। मैंने देखा कि उनका सिर एक प्लेट पर था और वह एक कब्र के ऊपर बैठी थी। मैंने इसे अकेले देखा था। मैंने सोचा कि मैं बहादुर हूं, शो को अकेले देख सकता हूं, क्योंकि मैं आसानी से डरता नहीं हूं। बाद में अर्चना पूरन सिंह की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि कपिल सर, उस दिन के बाद से, मैं अब अंधेरे में नहीं जाता। जिस तरह से आपने मुझे डरा दिया, मैं वास्तव में बहुत डर गया था। जिस तरह से आपने उस प्लेट पर अपना सिर घुमाया, यहां तक कि आज भी वे दृश्य मेरे मन पर अंकित हैं। राजकुमार राव और कृति सेनन अपनी फिल्म हम दो हमारे दो के प्रचार के लिए शो में विशेष अतिथि के रूप में दिखाई देंगे।

'हम दो हमारे दो' का गाना 'वेधा सजेया' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता राजकुमार राव और कृति सैनन की आने वाली फिल्म 'हम दो हमारे दो' का गाना 'वेधा सजेया' रिलीज हो गया है। राजकुमार राव और कृति सैनन की जोड़ी जल्द ही फिल्म 'हम दो हमारे दो 'में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का नया गाना 'वेधा सजेया' रिलीज हो गया है। इस गाने में राजकुमार और कृति की जबरदस्त केमिस्ट्री देख रही हैं। 'वेधा सजेया' एक वेडिंग एंथम सान्ग है।इस वेडिंग एंथम सान्ग को रेखा भारद्वाज, वरुण जैन और सचिन-जिगर ने अपनी शानदार आवाज में गाया है। गौरतलब है कि फिल्म 'हम दो हमारे दो' का निर्देशन अभिषेक जैन ने किया है। इस फिल्म में परेश रावल, रत्ना पाठक और अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिकाओं में हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक युवा विवाहित जोड़े के इर्दगिर्द घूमती है। यह कपल अपने जीवन के खालीपन को भरने के लिए माता-पिता को गोद लेने का अनोखा फैसला करता है। यह फिल्म 29 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज होगी।

अक्षय ने 'सूर्यवंशी' के नए गाने 'मेरे यारा' का शेयर किया टीजर

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म 'सूर्यवंशी' के नए गाने 'मेरे यारा' का टीजर वीडियो शेयर किया है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'सूर्यवंशी' का गाना 'मेरे यारा' का टीजर वीडियो शेयर कर दिया गया है। अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर 'मेरे यारा' का टीजर वीडियो शेयर किया है। इस सान्ग टीजर वीडियो में अक्षय और कैटरीना बेहद रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस रोमांटिक सान्ग को नीति मोहन और अरिजीत सिंह ने अपनी शानदार आवाज में गया है। अक्षय ने टीजर वीडियो को अपने आधिकारिक ट्विटर पर शेयर कर कैप्शन लिखा, जब उसकी एक मुस्कान आपको मुस्कुरा दे, चलिए सान्ग मेरे यारा के साथ रोमांस को समझें। गौरतलब है कि फिल्म 'सूर्यवंशी' में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ मुख्य किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन और रणवीर सिंह कैमियो किरदार में दिखाई देंगे। यह फिल्म 05 नबंवर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रितेश पांडे का सैड सांग 'डोली रोका हो कहार' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता-गायक रितेश पांडे का नया गाना 'डोली रोका हो कहार' रिलीज हो गया है। रितेश पांडे का वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के बैनर तले दर्दभरा सांग 'डोली रोका हो कहार' रिलीज हो गया है। इस सांग में रितेश अपनी प्रेमिका यानी कि अभिनेत्री प्रगति भट्ट की डोली उठते हुए देखते हैंऔर अपने दर्द को गाने के माध्यम से व्यक्त कर रहे हैं। इस सांग में रितेश और प्रगति की एक प्यार सी लव स्टोरी भी दिखाई गई है, जो दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। सांग को लेकर रितेश पांडे ने कहा कि गाने को हमने बहुत ही बारीकी के साथ बनाया है। इसमें हमने एक प्रेमी के दर्द को बखूबी दिखने का प्रयास किया है। सांग मेरी उम्मीद ज्यादा बेहतर बना है, जिसके लिए वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स की पूरी टीम का धन्यवाद। खास कर रत्नाकर कुमार का जिन्होंने मुझे ऐसा सांग दिया। गौरतलब है कि वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत गाना 'डोली रोका हो कहार' को राजकुमार साहनी ने लिखा है, जिसे कर्णप्रिय संगीत से छोटू रावत ने सजाया है। इस गाने के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं, वीडियो डायरेक्टर आर्यन देव, कोरियोग्राफर सम्राट अशोक और प्रोडक्शन हेड पंकज सोनी हैं।

तनाव मुक्त रहने के लिए यात्रा कर रही हैं सामंथा

हैदराबाद (आईएएनएस)। अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु कुछ दिनों से काफी यात्रा कर रही हैं। अपनी ऋषिकेश यात्रा के बाद सामंथा ने कई और जगह घूमने का प्लान बनाया है। सामंथा ने अपनी मेकअप आर्टिस्ट साधना सिंह और अपने स्टाइलिस्ट जुकलकर प्रीतम के साथ अपनी एक हैप्पी फोटो शेयर की। वे तीनों हवाई अड्डे पर पोज देते नजर आ रहे हैं। सामंथा का चुलबुला लुक उनके आउटफिट के साथ फैशन गोल देता नजर आ रहा है। सामंथा के जीवन में चल रही उथल पुथल के बीच उनकी ये यात्राएं एक आवश्यक प्रतीत होती हैं। साधना सिंह और प्रीतम तलाक के बाद हाल ही में सामंथा के साथ मजबूती से खड़े रहे। इससे पहले सामंथा ने 'चार धाम' की यात्रा की थी। जिसकी खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की थीं। उनकी ट्रैवल पार्टनर शिल्पा रेड्डी ने भी उनकी भक्ति से भरी यात्रा से कुछ विशेष तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। वर्कफ्रंट पर बात करें तो सामंथा गुनाशेखर द्वारा निर्देशित एक पौराणिक महाकाव्य 'शाकुंथलम' में दिखाई देंगी। उनकी अन्य परियोजनाओं में 'काथु वाकुला रेंदु काधल' भी शामिल हैं।

प्रशंसक के कैंसर के इलाज का खर्च उठा रहे चिरंजीवी

हैदराबाद (आईएएनएस)। टॉलीवुड मेगास्टार चिरंजीवी, वेंकट नाम के अपने एक प्रशंसक के कैंसर के इलाज का पूरा खर्च उठा रहे हैं। मंगलवार को चिरंजीवी से उनके कार्यालय में मिले वेंकट ने मेगास्टार को अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया। अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद चिरंजीवी अपने फैन से व्यक्तिगत रूप से मिले, जिसके बाद उन्हें वेंकट की तबीयत के बारे में पता चला। आर्थिक रूप से कमजोर वेंकट को कैंसर है और वह अपने चिकित्सा खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं। उनकी कहानी से प्रभावित होकर, चिरंजीवी ने वादा किया कि वे वेंकट के इलाज के लिए पैसे देंगे। चिरंजीवी ने वेंकट की मेडिकल रिपोर्ट भी देखी और उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल से दूसरे अस्पताल में इलाज कराने की सलाह दी। चिरंजीवी ने वेंकट को व्यक्तिगत रूप से अस्पताल रेफर किया, जिसके बाद उन्होंने अपनी टीम से मामले में अपडेट रहने के लिए भी कहा है। चिरंजीवी ने वेंकट को तत्काल खर्च के लिए दो लाख रुपए की मदद भी की। वेंकट ने कहा कि मैं उनका प्रशंसक कहलाने के लिए धन्य हूं। मैं इस जीवनकाल में चिरंजीवी सर को पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता।

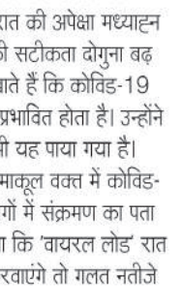

'तड़प' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (आईएएनएस)। अहान शेट्टी और तारा सुतारिया अभिनीत फिल्म 'तड़प' का ट्रेलर बुधवार को रिलीज हो गया है। यह फिल्म तेलुगु फिल्म 'आरएक्स 100' का हिंदी रीमेक है। यह मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। 'तड़प' अहान शेट्टी का बालीवुड डेब्यू है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक मिलन लुथरिया ने कहा कि 'तड़प' एक डार्क लव स्टोरी है और एक बेहद असामान्य पहली फिल्म है। अहान शेट्टी और तारा सुतारिया की भूमिकाएं काफी यूनिक हैं। उनकी केमिस्ट्री एक ऐसी कहानी में चमकती है, जिसमें गहन रोमांस, एक्शन और भावपूर्ण संगीत है। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। फिल्म के बारे में अधिक खुलासा करते हुए, साजिद ने कहा कि महामारी के बीच दर्शकों के लिए फिल्म लाना बहुत धैर्य और दृढ़ संकल्प बाला काम था। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, फाक्स स्टार स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और सह-निर्मित, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, 'तड़प' 3 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'ई रिश्ता जन्म जन्म के' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी फिल्म अभिनेता प्रिंस सिंह राजपूत और अभिनेत्री पायस पंडित की आने वाली फिल्म 'ई रिश्ता जन्म जन्म के' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। अदिति फिल्म्स क्रियेशन के बैनर तले बनी फिल्म 'ई रिश्ता जन्म जन्म के' में प्रिंस सिंह राजपूत और पायस पंडित की अहम भूमिका है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म के निर्माता मनोज कुमार पंडित और निर्देशक अजय कुमार है। फिल्म के लेखक विजय साहनी, संगीत , सुदीप साजन, श्याम देहाती, सुदीप साजन एक्शन प्रदीप खड़का, प्रशुन यादव और ज्ञान सिंह, प्रोडक्शन मनोज एच गुप्ता, कार्यकारी निर्माता राम प्रवेश कुमार हैं। निर्देशक अजय कुमार ने फिल्म को लेकर बताया कि फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन लगभग अंतिम चरण में है। शीघ्र ही ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। गौरतलब है कि फिल्म 'ई रिश्ता जन्म जन्म के' में प्रिंस सिंह राजपूत, पायस पंडित, रंजन प्रजापति, तनुजा राठौर, संजय सिंह, राम सुजान सिंह, राहुल श्रीवास्तव, स्वीटी सिंह, सोनी पटेल और अमित शुक्ला है।

जांच के वक्त से हो सकता है कोविड-19 जांच के नतीजों में बदलाव

वाशिंगटन (भाषा)। कोरोना वायरस जांच की 'संवेदनशीलता' इस पर निर्भर कर सकती है कि जांच दिन के किस समय कराई जा रही है। जांच के नतीजे, जांच कराने वाले व्यक्ति के शरीर की 'जैविक घड़ी' के अनुसार भी बदल सकते हैं। 'जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल रिदम्स' नामक शोध पत्रिका में मंगलवार को प्रकाशित एक अध्ययन में यह पता चला है। अध्ययन में पाया गया कि यदि कोई रात की अपेक्षा मध्याह्न के आसपास के समय जांच कराता है तो उसकी जांच में संक्रमण की पुष्टि होने की सटीकता दोगुना बढ़ जाती है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन के नतीजे उस अनुमान से मेल खाते हैं कि कोविड-19 वायरस शरीर में हमारे 24 घंटे के सोने-जगने की आंतरिक प्राकृतिक प्रक्रिया से प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि अन्य वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण पर हुए अध्ययन के नतीजों में भी यह पाया गया है। अमेरिका के वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय में प्रोफेसर कार्ल जॉनसन ने कहा, 'दिन के माकूल वक्त में कोविड-19 की जांच कराने से जांच की संवेदनशीलता बढ़ती है और बिना लक्षण वाले लोगों में संक्रमण का पता लगाने में सहायता मिलती है।' अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि नतीजों में सामने आया कि 'वायरल लोड' रात आठ बजे के बाद कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि अगर लोग उस समय जांच करवाएंगे तो गलत नतीजे आने की आशंका बढ़ जाएगी।

भाजपा सामाजिक सम्मेलन: दिन में 12 बजे सोकर उठने वाला मुख्यमंत्री जनता के बारे में नहीं सोच पाएगा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा की हर कमजोर कड़ी को मजबूत करने में लगे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ लखनऊ में गुरुवार को तीन सामाजिक सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश गन्ना संस्थान के हाल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन में कहा कि पिछली सरकारों के पास कोई सोच नहीं थी। अगर कहीं सोच भी लिया तो उस सोच को धरातल पर उतारने की फुरसत नहीं थी। जब प्रदेश का मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे सोकर उठेगा तो कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वो जनता के बारे में सोच पाएगा। समाज की कोई जानकारी उसको नहीं होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने 2014 के बाद बदलते हुए भारत को देखा है। आज भारत ना केवल वैश्विक मंच पर बल्कि अपनी परंपरा को बनाए रखने के लिए दुनिया के सामने एक ताकत के रूप में उभरा है। आपको याद होगा जब महामारी आई थी तब जितनी सब बाहर आ गए। प्रदेश में 2012 में कोसीकलां से जो दंगों का सिलसिला शुरू हुआ था वह निरंतर चलता रहा। पहले की जो सरकार थी वो अपने लिए जीते थे। वह अपने परिवार के लिए जीते थे और उन्हें समाज और गरीब से कोई लेना-देना नहीं था। 2014 के पहले कांग्रेस नेतृत्व की सरकार देश के अंदर रोज एक घोटाला लेकर आती थी। दुनिया के अंदर भारत की छवि अत्यन्त धूमिल थी। भारत के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा हुआ था और असुरक्षा का वातावरण था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ इस सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र भी विपक्षी पार्टियां थीं, चाहे सपा हो, बसपा हो, कांग्रेस हो, सभी आइसोलेशन में थी। लेकिन जैसे ही चुनाव नजदीक आने लगे तो देव सिंह तथा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस सम्मेलन को संबोधित किया।

उत्तरप्रदेश में छह जिलों के डीएम बदले गए

लखनऊ। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सूबे की योगी सरकार ताबड़तोड़ प्रशासनिक अफसरों के तबादले कर रही है। इसी क्रम में एक बार फिर बुधवार आधी रात को 10 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए। साथ ही साथ अमेठी, मऊ, हमीरपुर समेत 6 जिलों के जिलाधिकारियों को भी बदल दिया। आलोक सिंह अपर निदेशक सूडा को ललितपुर का नया डीएम बनाया गया है। इसी तरह डॉक्टर चंद्रभूषण त्रिपाठी डीएम हमीरपुर, अरुण कुमार डीएम मऊ, शेषमणि पांडेय अब डीएम अमेठी, महेंद्र बहादुर सिंह डीएम लखीमपुर और अविनाश कृष्ण सिंह को मैनपुरी का नया डीएम बनाया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले सरकार ने 12 आईपीएस अफसरों के तबादले किए थे। कानपुर और आगरा के आईजी रेंज का भी तबादला किया गया। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे प्रशांत कुमार को आईजी कानपुर रेंज बनाया गया है। वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे नचिकेता झा को आईजी आगरा रेंज की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि मोहित अग्रवाल को आईजी रेंज कानपुर से हटाते हुए आईजी टेक्निकल सर्विसेज लखनऊ बनाया गया है।

उधर नवीन अरोड़ा को आईजी बजट पुलिस मुख्यालय लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा योगेश सिंह कमांडेंट 25वीं वाहिनी पीएसी रायबरेली, डॉ अरविंद भूषण पांडेय को एसपी टेक्निकल सर्विसेज लखनऊ, संजय सिंह कमांडेंट द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर, कल्पना सक्सेना कमांडेंट 45वीं पीएसी गाजियाबाद, राहुल यादवेंद्र एसपी पुलिस मुख्यालय लखनऊ, राजेश कुमार सक्सेना कमांडेंट आठवीं पीएसी बरेली, भारती सिंह कमांडेंट 49वीं पीएसी नोएडा, विकास कुमार वैद्य कमांडेंट 37वीं पीएसी कानपुर नगर बनाया गया है। इस बीच यूपी पुलिस मुख्यालय ने 29 इंस्पेक्टर और 185 सब इंस्पेक्टरों के तबादले किए। साथ ही तबादले के लिए 35 पीपीएस अधिकारियों सूची भी तैयार है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट को 10 इंस्पेक्टर, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट को चार इंस्पेक्टर, वाराणसी कमिश्नरेट को तीन इंस्पेक्टर, कानपुर पुलिस कमिश्नरेट को दो इंस्पेक्टर दिए गए हैं। इसके अलावा आगरा जोन को तीन, प्रयागराज व मेरठ जोन को दो-दो, गोरखपुर और बरेली जोन को एक-एक इंस्पेक्टर दिए गए हैं। एक इंस्पेक्टर को यूपीपीसीएल भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक अभी 150 इंस्पेक्टर्स के तबादले किए जाएंगे। एक ही जिले में तीन साल से टिके 35 पीपीएस अफसरों के भी तबादले तय हैं। इनमें पीएसी की बटालियन में तैनात अधिकारी भी शामिल हैं।

काशी विद्यापीठ की पीएचडी में सीटों से अधिक दिया गया है प्रवेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में पीएचडी कोर्स में प्रवेश में धांधली को लेकर दाखिल याचिका पर राज्य सरकार और विपक्षियों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने विपक्षी प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह, प्रोफेसर राघवेन्द्र पांथरी, प्रोफेसर लक्ष्मी शंकर उपाध्याय, लिपिक मोतीलाल वर्मा, पूर्व लिपिक राजपति राम, लिपिक शशिकांत सिंह और लिपिक पुरूषोत्तम मिश्र को नोटिस जारी किया है। इन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग में दाखिल अर्जी को सीजेएम वाराणसी द्वारा निरस्त करने की वैधता को चुनौती दी गई है। सीजेएम ने यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दी कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 के तहत राज्य सरकार से इसकी अनुमति नहीं ली गई है। इसलिए कोर्ट एफआईआर दर्ज करने का निर्देश जारी नहीं कर सकती।

सीजेएम वाराणसी के आदेश के खिलाफ अर्दली बाजार के निवासी सुधांशु कुमार सिंह की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर यह आदेश हाईकोर्ट के जस्टिस राजीव मिश्रा ने दिया है। याची का कहना है कि 2007-8 में एम फिल करने के बाद कैमूर बिहार के मूल निवासी याची ने 2008-9 में पीएचडी कोर्स के लिए आवेदन किया। कमेटी ने 81 लोगों को प्रवेश के योग्य पाया, लेकिन 81 की जगह 132 लोगों को पीएचड़ी कोर्स में प्रवेश दे दिया गया। याची से कम अंक वाले लोगों को भी प्रवेश दिया गया है, लेकिन याची को प्रवेश नहीं दिया गया। याची की शिकायत पर कुलपति ने 4 सदस्यीय समिति गठित की। जांच रिपोर्ट में याची की शिकायत की पुष्टि की गई है।

लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत पर अब तीन को सुनवाई

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत अर्जी कोर्ट ने गुरुवार को स्वीकार कर ली है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की इस याचिका पर अब तीन नवंबर को सुनवाई की जाएगी। लखीमपुर खीरी हिंसा के कांड में चार किसानों के साथ तीन भाजपा कार्यकर्ता तथा एक पत्रकार की हत्या के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र मोनू सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस केस में क्राइम एफआइआर पर भी पुलिस एक्शन में है। सुमित जायसवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआइआर पर दो प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। लखीमपुर खीरी जिले की बहुचर्चित हिंसा मामले में केंद्रीय मंत्री के पुत्र आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई गुरुवार को जिला जज मुकेश मिश्र की अदालत में टल गई है। इस मामले में अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी। गुरुवार को जिला जज की अदालत में होने वाली आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई इसलिए टाल दी गई है क्योंकि अभी इस पूरे मामले में केस डायरी ही अपूर्ण है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अभी इस हिंसा से जुड़े कई सबूत और फॉरेंसिक रिपोर्ट ही केस डायरी में संलग्न नहीं हो पाई है। इसके साथ ही कई गवाहों के बयान भी अदालत में दर्ज नहीं हो पाए हैं। इसके पीछे जिले में अचानक आई बाढ़ की आपदा को भी माना जा रहा है। आरोपित आशीष मिश्र की मेडिकल रिपोर्ट भी अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे एक दो नहीं कई बिंदु है जिनको केस डायरी में शामिल किए बिना जमानत पर सुनवाई संभव नहीं थी। जिसके चलते अभियोजन पक्ष ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए अभी इस मामले में कुछ और समय मांगा। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीन को इस याचिका पर सुनवाई का निर्णय किया। दीपावली से ठीक दिन पहले अदालत में यह तय हो जाएगा कि आशीष मिश्र की जमानत यहां से होगी या नहीं।

99 साल की लीज पर आजाद है देश ट्रोल हुई तो रुचि पाठक ने दी सफाई

झांसी । बीजेपी की एक महिला प्रवक्ता ने भारत की आजादी को लेकर बड़ी बात कही है। एक मीडिया डिबेट के दौरान उन्होंने ऐसी बात कह दी जिससे सब भौचक रह गए। झांसी में बीजेपी प्रवक्ता रुचि पाठक ने कहा- ह्यभारत को आजादी अभी मिली ही नहीं है। देश को 99 साल की लीज पर आजादी मिली है। भारत कंप्लीटली आजाद नहीं है। इसको लेकर लिखित समझौता किया गया। इस बयान के बाद वह लोगों के सीधे निशाने पर आ गईं। सोशल मीडिया पर उनके बयान पर कई प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कई लोग बीजेपी प्रवक्ता को वाट्सएप यूनिवर्सिटी का टॉपर बता रहे हैं, लेकिन यह वीडियो वायरल होने के बाद वह खुद अपने बयान से पीछे हटती दिख रही हैं। उनका कहना है कि उन्हें ये जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली है। वे कुछ लेख और राजीव दीक्षित के बयानों का जिक्र भी करती हैं।

दरअसल, हाल ही में झांसी में लल्लनटॉप के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी की स्थानीय प्रवक्ता रुचि पाठक डिबेट में पहुंची थीं। यहां निजीकरण को लेकर कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव जैन ने केंद्र सरकार को घेरा। एयर इंडिया के बिकने की बात कही। जिसके जवाब में बीजेपी की ओर से पक्ष रख रहीं रुचि पाठक ने कहा- भारत को आजादी काट्रैक्ट बेस पर है। कांग्रेस ने देश की आजादी 99 साल की लीज पर ली है। भारत कम्प्लीटली आजाद नहीं है। उन्होंने कह दिया कि शपथ ही बिटिश कानून की ली गई थी। चुनाव तो बाद में हुआ और फिर 1951 में भारत का संविधान लागू हुआ।

डसने के बाद जिंदा कोबरा को डिब्बे में बंद कर अस्पताल पहुंचा युवक

हरदोई। यूपी के हरदोई जिले में जिला अस्पताल की इमरजेंसी में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवक काला कोबरा सांप को लेकर अस्पताल पहुंच गया। दरअसल, युवक को जब उसके घर में काला कोबरा सांप दिखाई पड़ा तो उसने उसे पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान कोबरा ने उसे डस लिया। जिसके बाद उत्साही युवक ने सांप को एक डिब्बे में बंद कर लिया और उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंच गया। मामले की सूचना वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम कोबरा सांप को अपने साथ ले गयी। वन कर्मियों के मुताबिक सांप काफी पुराना और जहरीला कोबरा है, जिसे उसके प्राकृतिक स्थान पर छोड़ दिया जाएगा। फिलहाल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कर उसका उपचार किया जा रहा है। मामला हरदोई जिले के थाना टडियावा के मुगलीपुर गांव का है। इसी गांव के रहने वाले मुकेश की मां घर में खाना बना रही थी।

राम मंदिर में लगेगा श्रीलंका के अशोक वाटिका का पत्थर रामलला के दरबार में शिला लेकर पहुंचे श्रीलंका से राजनायिक

अयोध्या। मंदिर निर्माण के लिए अशोक वाटिका की शिला गुरुवार को अयोध्या पहुंची। श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंद मोरा गोडा के नेतृत्व में श्रीलंका के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रथम बेला में रामलला का दर्शन किया। इस दौरान श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अशोक वाटिका से लाई गई शिला भेंट की। यह शिला युगों पुराने अयोध्या और श्रीलंका के संबंधों की याद दिलाने वाली है। अपहरण के बाद रावण मात सीता को श्रीलंका की इसी अशोक वाटिका में रखा था और माता सीता की हनुमान जी से भेंट अशोक वाटिका में ही हुई थी। राम जन्मभूमि परिसर में श्री लंका के प्रतिनिधिमंडल का तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अलावा अयोध्या के साधु संतों ने स्वागत किया। स्वागत करने वालों में मणिराम दास जी की छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास जगदगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य उदासीन ऋषि आश्रम के महंत डा भरत दास अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत गौरी शंकर दास आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण राम कचहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास महंत हरसिद्धि शरण कृपालु राम भूषण दास राम कुमार दास महंत छविरामदास पार्षद एवं हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास आदि प्रमुख रहे। इन संतो ने अशोक वाटिका की शिला को हृदयस्पर्शी बताया और कहा इसका अयोध्या आना श्री राम और मां सीता के अनुरागी समूह के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है और इसे पूरे सम्मान के साथ राम मंदिर में संरक्षित प्रतिष्ठित किया जाएगा। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने भी स्वीकार किया कि इस शिला के प्रति पूरा सम्मान अर्पित किया जाएगा। हालांकि अभी यह नहीं तय किया जा सका है कि राम मंदिर में अशोक वाटिका से आई शिला का किस रूप में प्रयोग होगा। शिला समर्पित करने के बाद श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या राज्य परिवार के प्रासाद राज सदन में पत्रकारों से वार्ता की। श्रीलंका के उप उच्चायुक्त नीलूका कदरगमआ ने बताया कि श्रीलंका में रामायण राम कथा और अयोध्या के बारे में सभी जानते हैं। 20 वर्ष पूर्व से श्रीलंका में रामायण यात्रा नाम की एक परियोजना संचालित है।

सपा-रालोद की सरकार में एक करोड़ युवाओं को रोजगार: जयंत चौधरी

मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मथुरा में कहा कि यदि समाजवादी पार्टी और उनकी पार्टी के गठबंधन वाली सरकार बनती है तो वह एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने की दिशा में काम करेगी। रालोद की कमान संभालने के बाद मथुरा से सांसद रहे जयंत चौधरी बुधवार को मांट विधानसभा क्षेत्र के बाजना गांव स्थित मोरकी इण्टर कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित पार्टी की ओर से पहली जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जयंत चौधरी ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) किसानों को साल भर में मात्र छह हजार रुपए देकर कहते हैं कि हमने किसानों पर इतना पैसा खर्च कर दिया। जबकि महंगाई उनके सत्ता में आने के बाद से अब तक कई गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी होने के बजाए आधी रह गई है। इस पर भी डीजल-पेट्रोल की कीमत में प्रतिदिन पैंतीस पैसे का इजाफा हो रहा है।

यूपी में पाक की जीत का जश्न मनाने वालों पर चलेगा देशद्रोह का केस

लखनऊ। टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 24 अक्टूबर को हुआ था जिसमें भारतीय टीम पाकिस्तान के हाथों बुरी तरीके से परास्त हुई थी। विश्व कप में भारत की पाकिस्तान के खिलाफ यह पहली हार थी। पाकिस्तान की इस जीत के बाद देश के कई हिस्सों में पटाखे फोड़े गए और जश्न मनाया गया। उत्तर प्रदेश में भी कुछ इलाकों में ऐसा देखने को मिला। अब इसको लेकर पुलिसिया कार्रवाई शुरू हो गई हैं। पाकिस्तान की जीत पर उत्तर प्रदेश में जश्न मनाने वालों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक ट्वीट कर कहा गया कि पाक की जीत का जश्न मनाने वालों पर देशद्रोह लगेगा।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने 24 अक्टूबर को हुए टी-20 विश्वकप में भारत पाक मैच के दौरान कथित तौर पर पाक समर्थन में नारे लगाने या फिर पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के आरोप में 5 जिलों से अब तक 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जबकि 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने ट्वीट किया, 24 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए टी-20 विश्व कप क्रिकेट मैच के बाद कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा भारतीय टीम के विरुद्ध असम्मानजनक शब्दों का प्रयोग कर देश विरोधी टिप्पणी करते हुए शांति व्यवस्था भंग की गई है। इसी ट्वीट में बताया गया कि इस संदर्भ में अब तक आगरा, बरेली, बदायूं और सीतापुर में पांच मुकदमे दर्ज कर सात व्यक्तियों को नामजद किया गया है। उनमें से पांच को हिरासत में लिया जा चुका है। इन मामलों में जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निषाद बहुल 160 सीटों पर फहराएगा मैरुन व भगवा झंडा': संजय निषाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 की तैयारियों में जुटे निषाद पार्टी ने भी बुधवार को गोरखपुर में अपना दम दिखाया। चंपा देवी पार्क में सम्मान समारोह के बहाने निषाद वोट बैंक पर संजय निषाद ने अपना अधिकार जमा दिया। पार्टी कार्यकताओं ने संजय निषाद का नोटों की माला पहनाकर स्वागत किया। संजय निषाद ने आरक्षण के मुद्दे कहा कि, ह्यबीजेपी की सरकार हमारी आरक्षण के मांग पर तेजी से काम कर रही है और जल्द ही हम लखनऊ में गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक मंच पर इसकी घोषणा करेंगे। विधानसभा चुनाव 2022 में बीजेपी और निषाद पार्टी का गठबंधन बीजेपी के ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक सीटें जीतने वाला गठबंधन बनेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की मछुआ बाहुल्य सीटों पर भी निषाद पार्टी अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेगी। आगामी विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी गोरखपुर जोन की मछुआ (निषाद) बहुल सीट पर अपने सिम्बल पर जीत दर्ज करने का काम करेगी।

दीप की रौशनी को धुँधला सकता है पटाखों से पैदा होने वाला प्रदूषण

इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये सरकारें ही नहीं गैर-सरकारी संगठन भी व्यापक प्रयत्न कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने इसके लिये सख्ती बरतने की तैयारी की है, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आमिर खान दिवाली पर पटाखेबाजी के विरुद्ध एक विज्ञापन में टीवी चैनलों पर करोड़ों को प्रेरित कर रहे हैं एवं अणुव्रत विश्व भारती ईको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश जन जन के बीच पहुंचा रही है, क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। कोरोना महामारी के बाद बदले माहौल एवं स्वास्थ्य-जरूरतों को देखते हुए यह नितांत अपेक्षित भी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। पटाखे के प्रदूषण से दीपावली के गौरवपूर्ण अस्तित्व एवं अस्मिता के काले पड़ने की सम्भावना संस्कृतिकर्मी एवं प्रदूषण विशेषज्ञ व्यक्त कर रहे हैं। मैं और कुछ भी कह कर ह्वदीपावलीह्व की महत्ता को कम नहीं कर रहा हूं, पर और भी जो काला पड़ रहा है वह भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। दीपावली हमारी संस्कृति है, सभ्यता है, आपसी प्रेम है, इतिहास है, विरासत है और दीपों की कतारों का आश्चर्य है। पटाखे जलाने से दीपावली ही नहीं, ये सब भी काले पड़ रहे हैं। स्वास्थ्य चौपट हो रहा है, फिजूलखर्ची बढ़ रही है। पटाखों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद अंधाधुंध आतिशबाजी होना जहां सरकार की लापरवाही है, गैरजिम्मेदारी है, वहीं आम जनता द्वारा गैरकानूनी तरीके से आतिशबाजी करना आपराधिक कृत्य है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

दिल्ली के अलावा 21 शहर भी प्रदूषित शहरों की लिस्ट में शामिल हैं, पटाखों के धुएं से इन शहरों एवं समूचे देश में प्रदूषण बढ़ने की संभावनाएं हैं। सर्दियां आते ही दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें आतिशबाजी एवं पराली जलाने से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है।

किसी व्यक्ति के बारे में सबसे बड़ी बात जो कही जा सकती है, वह यह है कि उसने अपने चरित्र पर कालिख नहीं लगने दी। अपने जीवन दीप को दोनों हाथों से सुरक्षित रखकर प्रज्वलित रखने के लिये ईको-फ्रेंडली दीपावली के संकल्प को आकार देना ही होगा। अगर हमने यह संकल्प नहीं लिया तो दीपावली पर दिल्ली में फिर धुएं की चादर छा जाएगी और लोगों को सांस लेना भी दूभर हो जाएगा। वैसे तो दिल्ली सरकार ने सख्ती भी की है। दिल्ली में अगर लोग पटाखे जलाते पकड़े गए तो उनके खिलाफ विस्फोटक एक्ट के तहत एक्शन लिया जाएगा। अगर कोई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करता दिखाई दिया तो उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 और 286 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बात दिल्ली की ही नहीं, समूचे राष्ट्र की है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय पटाखे नहीं दीया जलाओ अभियान की शुरूआत कर रहे हैं, ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके। यह सही है कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए सख्ती जरूरी है लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं होते। हर वर्ष दीपावली को देर रात गए लोग पटाखे जलाते रहते हैं। एक विश्लेषण के अनुसार राजधानी में नवम्बर माह के पहले पन्द्रह दिनों में हवा सबसे प्रदूषित होती है। इसका कारण पराली और पटाखों से निकलने वाला धुआं होता है, जो दिल्ली को स्वास्थ्य आपातकाल में धकेल देता है। राजधानी की हवा में प्रदूषण का प्राथमिक स्रोत वाहनों का जमावड़ा और पड़ोसी राज्यों में औद्योगिक संचालन से निकलने वाला धुआं भी है। अणुव्रत विश्व भारती के जनजागृति अभियान की भी व्यापक प्रासंगिकता है। देश में 165 स्थानों पर अणुव्रत समितियां सक्रिय हैं जो देश में पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, सद्भावना, अहिंसा प्रशिक्षण, चुनाव शुद्धि जैसे विभिन्न मुद्दों पर जन अभियान चला रही है। ईको-फ्रेंडली दीपावली के प्रचार-प्रसार में योगदान देकर समितियां एक कदम और आगे बढ़ेंगी तथा जन-जागरण से पर्यावरण को शुद्ध बनाने तथा प्रदूषण नहीं फैलाने में इनकी अहम् भूमिका होगी।

आजमगढ़ में एजेंसीवार की जाएगी धन की खरीद

आजमगढ़। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 आजाद भगत सिंह ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत किसानों से सीधे धान की खरीद एजेन्सीवार की जायेगी। उन्होने बताया कि वर्ष 2021-22 में धान क्रय हेतु तहसील सदर के अन्तर्गत ब्लाक पल्हनी में खाद्य विभाग के 1, जहानागंज में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 2, एफसीआई के 1, सठियांव (मुबारकपुर) में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, रानी की सराय में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 2, तहसील सगड़ी के अन्तर्गत ब्लाक बिलरियागंज में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 2, एफसीआई के 1, महराजगंज में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, हरैया में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, अजमतगढ़ (जीयनपुर) में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 4, तहसील बूढ़नपुर के अन्तर्गत ब्लाक अहरौला में पीसीएफ के 2, अतरौलिया में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, कोयलसा में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 2, तहसील निजामाबाद के अन्तर्गत ब्लाक तहबरपुर मे खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 2, मिजार्पुर में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, मुहम्मदपुर में खाद्य विभाग के 1, तहसील फूलपुर के अन्तर्गत ब्लाक फूलपुर में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, पवई में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, तहसील मार्टीनगंज के अन्तर्गत ब्लाक मार्टीनगंज में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 4, तहसील लालगंज के अन्तर्गत ब्लाक लालगंज में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 1, तरवां में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 5, ठेकमा में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 4, तहसील मेंहनगर के अन्तर्गत ब्लाक मेंहनगर में खाद्य विभाग के 1, पीसीएफ के 5, पल्हना में पीसीएफ के 2, इस प्रकार खाद्य विभाग, पीसीएफ एवं एफसीआई के कुल 66 धान क्रय केन्द्रों को अनुमोदित किया गया है।

नामीबिया ने स्कॉटलैंड को चार विकेट से हराया

ट्रंपलमैन पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे

अबूधाबी। बायें हाथ के तेज गेंदबाजों रुबेन ट्रंपलमैन और जेन फ्राइलिंक की तूफानी गेंदबाजी से नामीबिया ने आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो मैच में बुधवार को यहां स्कॉटलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले ओवर में तीन विकेट चटकाने वाले ट्रंपलमैन (17 रन पर तीन विकेट) और फ्राइलिंक (10 रन देकर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने स्कॉटलैंड की टीम आठ विकेट पर 109 रन ही बना सकी। स्कॉटलैंड की ओर से माइकल लीस्क 44 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उनके अलावा क्रिस ग्रीव्स (25) और सलामी बल्लेबाज मैथ्यू क्रॉस (19) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। नामीबिया ने इसके जवाब में जेजे स्मिट नाबाद 32 रन और क्रेग विलियम्स 23 रन की पारियों की बदौलत पांच गेंद शेष रहते छह विकेट पर 115 रन बनाकर जीत दर्ज की। नामीबिया को माइकल वान लिंगेन (18) और विलियम्स ने पहले विकेट के लिए 28 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। नामीबिया को अंतिम दो ओवर में सात रन की दरकार थी। स्मिट ने ब्रेडली व्हील पर चौका और फिर एक रन के साथ स्कोर बराबर किया लेकिन अगली गेंद पर फ्राइलिंक (02) पवेलियन लौट गए। स्मिट ने अंतिम ओवर की पहली गेंद पर शरीफ पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई।

टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की लगातार दूसरी जीत

बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया

अबूधाबी। मोईन अली, लियाम लिविंगस्टोन और टायमल मिल्स की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने बांग्लादेश को आईसीसी टी 20 विश्व कप के ग्रुप एक मुकाबले में बुधवार को 20 ओवर में नौ विकेट पर 124 रन के सामान्य स्कोर पर रोकने के बाद 14.1 ओवर में दो विकेट पर 126 रन बनाकर 35 गेंद शेष रहते आठ विकेट से एकतरफा जीत हासिल कर ली। लगातार दूसरी जीत के सथ इंग्लैंड ने सेमीफाइनल के लिए मजबूत कदम बढ़ाया। पहले मैच में टीम ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया था। वहीं बांग्लादेश की यह लगातार दूसरी हार रही और इसके साथ ही टीम के सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीद को झटका लगा। गत उपविजेता इंग्लैंड के लिए मोईन अली और लिविंगस्टोन ने दो - दो विकेट व मिल्स ने तीन विकेट हासिल किए। क्रिस वोक्स को चार ओवर में मात्र 12 रन देकर एक विकेट मिला। बांग्लादेश की तरफ से मुशफिकुर रहीम ने 29, कप्तान महमूदुल्लाह ने 19, नुरुल हसन 16, मेहदी हसन ने 10 और नासुम अहमद ने 19 रन बनाए। मिल्स ने पारी की आखिरी दो गेंदों पर नुरुल हसन और मुस्तफिजुर के विकेट लिए। लक्ष्य छोटा था और बांग्लादेश के गेंदबाजों में इतना दम नहीं था कि वे इसका बचाव कर पाते। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय ने मात्र 38 गेंदों पर तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रन ठोके और उनके जोड़ीदार जोस बटलर 18 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत दी। इसके बाद डेविड मलान 25 गेंदों पर नाबाद 28 रन और जॉनी बेयरस्टो नाबाद 8 रन बनाकर इंग्लैंड को 14.1 ओवर में जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। जैसन रॉय को उनके आतिशी अर्धशतक के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। बांग्लादेश को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा।

गोल्डन बॉय नीरज को खेल रत्न

11 खिलाड़ियों को सर्वोच्च खेल सम्मान, शिखर को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास बनाने वाले भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और रजत जीतने वाले पहलवान रवि दहिया सहित 11 खिलाड़ियों को देश के शीर्ष खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है जबकि क्रिकेटर शिखर धवन सहित 35 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार हर वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं लेकिन इस बार उसी समय के आसपास टोक्यो ओलम्पिक और पैरालंपिक होने के कारण पुरस्कारों को दिए जाने में देरी हो गई।

खेल रत्न के लिए चुने गए खिलाड़ियों में नीरज चोपड़ा, रवि दहिया, हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, फुटबाल कप्तान सुनील छेत्री, महिला क्रिकेटर मिताली राज, महिला मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहैन,पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत, सुमित अंतिल, अवनि लेखड़ा, कृष्णा नागर और मनीष नरवाल शामिल हैं। अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए 35 खिलाड़ियों में टोक्यो ओलम्पिक में 41 वर्षों के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सभी सदस्य जिन्होंने इससे पहले यह पुरस्कार नहीं जीता और सभी पैरालम्पिक पदक विजेता शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति ने इन 35 खिलाड़ियों के नामों की सिफारिश सरकार को की है। खेल रत्न पुरस्कार को पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के नाम से जाना जाता था लेकिन सरकार ने इस साल इसमें संशोधन कर पुरस्कार का नाम खेल रत्न कर दिया। इस पुरस्कार में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। पिछले वर्ष पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था लेकिन टोक्यो ओलम्पिक और पैरालम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन की बदौलत यह संख्या इस बार 11 पहुंच गई है। नीरज ने टोक्यो में 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। वह एथलेटिक्स में ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे। चयन समिति ने इस बार 35 नामों की अर्जुन पुरस्कार के लिए सिफारिश की है जो पिछले साल के मुकाबले आठ ज्यादा हैं। इन नामों में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम भी शामिल है जो युएई में चल रहे टी 20 विश्व कप की भारतीय टीम में शामिल नहीं हैं।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्मृति में दिया जाता हैं खेल रत्न पुरस्कार

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की स्मृति में दिया जाता है। यह भारत में सर्वोच्च स्थान प्राप्त राष्ट्रीय खेल पुरस्कार है। खेल रत्न का अर्थ है, यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिन्होंने खेल के क्षेत्र में असाधारण प्रदर्शन किया है। ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को वर्ष 1991-92 में पहली बार खेल रत्न से सम्मानित किया गया था। इस पुरस्कार में एक पदक, एक प्रशस्ति पत्र और 25 लाख रूपये दिए जाते हैं। इसी साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल रत्न पुरस्कार का नाम राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किया था। भारत में सबसे पुराना राष्ट्रीय खेल पुरस्कार अर्जुन पुरस्कार है। वर्ष 1961 में इसकी शुरुआत हुई थी। खेल में अपनी उत्कृष्टता के लिए खेल हस्तियों को समर्पित यह पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न के बाद दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार लगातार चार वर्ष तक बेहतरीन प्रदर्शन, लीडरशिप क्वालिटी, खेल भावना और अनुशासन के लिए दिया जाता है। पुरस्कार के रूप में पहले पांच लाख रुपये की राशि दी जाती थी, जो 2020 से 15 लाख रूपए कर दी गई। इसके अलावा अर्जुन की कांस्य प्रतिमा और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। साल 1961 में इस पुरस्कार को कुल छह खिलाड़ियों को दिया गया था। जिसमें सलीम दुरानी इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले क्रिकेटर थे।

टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसके विराट कोहली

केएल राहुल को दो पायदान का नुकसान

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली यहां चल रहे टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक बनाने के बावजूद बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गए जबकि उनके साथी केएल राहुल को दो पायदान का नुकसान हुआ और वह आठवें नंबर पर लुढ़क गए हैं।

कोहली के 725 रेटिंग अंक जबकि राहुल 684 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान तीन पायदान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज ऐडन मार्करम अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे। वह आठ पायदान की छलांग से तीसरे स्थान पर काबिज हो गए। अब वह इंग्लैंड के डेविड मलान (831) और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (820) से पीछे हैं। अफगानिस्तान के रहमनुल्लाह गुरबाज नौ पायदान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 12वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि बांग्लादेश मोहम्मद नईम 11 पायदान की छलांग से करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी 11 पायदान का फायदा हासिल करने में कामयाब रहे जिससे वह 12वें स्थान पर पहुंच गए। बांग्लादेश के स्टार शाकिब अल हसन ने आल राउंडर खिलाड़ियों की सूची में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है।

एक्सप्रेस न्यूज

सौरभ गांगुली ने एटीके मोहन बागान के निदेशक पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने बुधवार को एटीके मोहन बागान के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। आईएसएल टीम बागान का स्वामित्व रखने वाले आरपीएसजी ग्रुप के आईपीएल की लखनऊ टीम खरीदने के दो दिन बाद इस बात की पुष्टि की कि संभावित हितों के टकराव से बचने के लिए उन्होंने निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है आरपीएसजी ग्रुप के लखनऊ टीम खरीदने के बाद मीडिया में खबरें आयी थीं कि बीसीसीआई अध्यक्ष और कंपनी के निदेशक के तौर पर हितों के टकराव की सम्भावना बनती है जिसे देखते हुए गांगुली ने कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया।

डब्ल्यूबीबीएल में भारतीय महिलाओं का शानदार प्रदर्शन जारी

मेलबर्न। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में गत चैंपियन सिडनी थंडर अभी तक एक भी मैच जीतने में कामयाब नहीं रही है। मैच में उन्हें मेलबर्न रेनेगेड्स के हाथों नौ रनों से नजदीकी हार का सामना करना पड़ा। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 64 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इसके बावजूद सिडनी थंडर 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में कामयाब नहीं हो पाई। लेकिन हरमनप्रीत और जेमिमाह रॉड्रिग्स के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रेनेगेड्स के लिए खिताब की संभावनाएं लगातार बनी हुई हैं। रॉड्रिग्स ने रेनेगेड्स की टूर्नामेंट की तीसरी जीत के लिए टोन सेट किया, उन्होंने नाबाद 75 रन बनाए। उन्होंने जोसफीन डूली (37) के साथ 84 रनों की साझेदारी की।

गुप्टिल का भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध

शारजाह। अनुभवी सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल का भारत के खिलाफ होने वाले सुपर 12 मैच में खेलना संदिग्ध समझा जा रहा है क्योंकि पाक के खिलाफ मुकाबले के दौरान उनके पैर का अंगूठा चोटिल हो गया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा मैच के बाद गुप्टिल थोड़े असहज दिख रहे थे और अगले 24 से 48 घंटे निर्णायक होंगे। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि रात में उन्हें कितना आराम मिला।अगर भारत के खिलाफ मैच में गुप्टिल नहीं खेलते हैं तो यह न्यूजीलैंड की टीम के लिये करारा झटका होगा क्योंकि लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली की पहले ही चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।

फ्रेंच ओपन में जीती सात्विक व अश्विनी की भारतीय जोड़ी

श्रीकांत मोमोता के खिलाफ हारकर टूर्नामेंट से बाहर

पेरिस। किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर के कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीय केंतो मोमोता के खिलाफ हार के साथ बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए लेकिन सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी मिश्रित युगल में आगे बढ़ने में सफल रही।

रियो ओलंपिक के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाने वाले श्रीकांत ने जापान के खिलाड़ी को कड़ी दी। श्रीकांत ने निर्णायक गेम के अंतिम लम्हों में दो अंक की बढ़त भी हासिल की लेकिन इसके बाद उन्हें पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में 74 मिनट में 18-21 22-20 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। सात्विक और अश्विनी की दुनिया की 24वें नंबर की जोड़ी ने डेनमार्क के माथियास थीरी और मेइ सुरो को 37 मिनट में 21-19 21-15 से हराया। अगले दौर में सात्विक और अश्विनी का सामना प्रवीण जोर्डन और मेलाती देइवा ओकतावियांती की इंडोनेशिया की दूसरी वरीय जोड़ी से हो सकता है।

सिंधू और लक्ष्य दूसरे दौर में

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन भी ने टर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि साइना नेहवाल बाहर हो गई। सिंधू ने डेनमार्क की जूली डेवाल जेकबसन को महिला एकल के पहले दौर के मुकाबले में 21-15 21-18 से शिकस्त दी जबकि लक्ष्य ने पुरुष एकल के आसान मुकाबले में आयरलैंड के एनहाट एनगुएन को 21-10 21-16 से हराया। वह अगले दौर में सिंगापुर के लोह कीन युव के खिलाफ खेलेंगे।

रेलवे ने जीती महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप

हिसार। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) ने हिसार के सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को समाप्त हुई 5वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप अपने टीम चैंपियनशिप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया है। टीम आरएसपीबी ने पांच स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल 12 पदकों के साथ आरएसपीबी मुक्केबाजों ने हर एक भार वर्ग में पदक जीते, जिससे यह उनके लिए याद रखने योग्य आयोजन बन गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन, हरियाणा की पूजा रानी ने आरएसपीबी की नूपुर पर 5-0 की जीत हासिल की। साथ ही साथ उनकी ही राज्य की नीतू ने मंजू रानी पर सर्वसम्मत अंतर से जीत हासिल की। सोनिया लाठेर ने आरएसपीबी के वर्चस्व का नेतृत्व किया। सोनिया ने अखिल भारतीय पुलिस की मनीषा पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। बाद में 60 किग्रा भार वर्ग में, मीना रानी ने उस समय टीम को दूसरा स्वर्ण दिलाया, जैस्मीन को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ चैलेंजर का पुरस्कार दिया गया।

पेनल्टी शूट आउट में जीता चेल्सी

साउथम्पटन को 4-3 से हराया, आर्सनल क्वॉर्टर फाइनल में

लंदन (एजेंसी)। चेल्सी ने सत्र में तीसरी बार पेनल्टी शूट आउट में जीत दर्ज करके प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में आगे कदम बढ़ाए जबकि आर्सनल ने आसानी से क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। रीस जेम्स ने पेनल्टी पर गोल करके चेल्सी को साउथम्पटन पर 4-3 से जीत दिलायी। इससे पहले नियमित समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थी। चेल्सी की तरफ से काइ हावर्ट्ज ने गोल किया जकि चे एडम्स ने दूसरे हाफ के शुरू में साउथम्पटन के लिए बराबरी का गोल दागा।

चेल्सी ने इससे पहले एस्टन विला को पेनल्टी शूटआउट में हराकर चौथे दौर में जगह बनायी थी। उसने यूएफा सुपर कप में भी विल्लारीयाल को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। प्रीमियर लीग की टीमों के बीच एक अन्य मुकाबले में आर्सनल ने लीड्स को 2-0 से हराया। विजेता टीम की तरफ से कैलम चैम्बर्स और एटी केटियाह ने गोल किए। तीसरे डिवीजन की टीम सुंदरलैंड ने पेनल्टी शूटआउट में दूसरे डिवीजन की क्वीन्स पार्क रेंजर्स को 3-1 से हराकर क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश किया। नियमित समय तक दोनों टीमें गोल करने में असफल रही थी।

अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा मिलान

मिलान। एसी मिलान को फिर से संघर्ष करना पड़ा लेकिन टोरिनो पर 1-0 की जीत से वह इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में तीन अंक की स्पष्ट बढ़त के साथ शीर्ष पर काबिज हो गया। ओलिवियर गिरोड ने खेल के 14वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल किया लेकिन यह मिलान को तीन अंक दिलाने के लिये पर्याप्त था। मिलान के अब 10 मैचों में 28 अंक हो गए हैं और वह दूसरे नंबर की टीम नैपोली (नौ मैचों में 25 अंक) से आगे है। नैपोली गुरुवार को बोलोग्ना से भिड़ेगा। एक अन्य मैच में सालेरनिटाना ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे वेनेजिया को 2-1 से हराया जबकि स्पेजिया और जेनोआ का मैच 1-1 से ड्रॉ छूटा।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में निशांत की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली। भारत के निशांत देव ने बुधवार को सर्बिया के बेलग्रेड में जारी 2021 एआईबीए पुरुष मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 71 किग्रा भार वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। दुनिया के इस प्रतिष्ठित आयोजन में पदार्पण करते हुए, कर्नाटक के मुक्केबाज लास्जलो कोजाक के खिलाफ अच्छे लय में दिखे। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। 20 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन ने हंगरी के अपने प्रतिद्वंद्वी पर धाराप्रवाह आक्रमण और तीखे मुक्कों के साथ 5-0 के एकतरफा अंतर से जीत हासिल की। अंतिम-32 दौर के मुकाबले में शुक्रवार को निशांत का सामना मॉरीशस के मुक्केबाज मर्वेन क्लेयर से होगा, जो टोक्यो ओलंपिक में क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचे थे। चैंपियनशिप के तीसरे दिन बुधवार को ही तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज अपनी चुनौती की शुरुआत करेंगे। 650 शीर्ष मुक्केबाजों की उपस्थिति में मजबूत प्रतिस्पर्धा का गवाह रहा है। इससे पहले, मंगलवार देर रात खेले गए मैचों में दीपक भोरिया, सुमित और नरेंद्र ने जीत हासिल करते हुए भारत की जीत का लय बनाए रखा।खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक किर्गिस्तान के अजत उसेनालिव के खिलाफ, दीपक ने 51 किग्रा भार वर्ग के शुरुआती दौर के मैच में एक बेदाग प्रदर्शन किया। एशियाई चैंपियन उसेनलिव के कुछ प्रतिरोध के बावजूद, 24 वर्षीय भारतीय 5-0 के अंतर से एकतरफा जीत हासिल करने में सफल रहे।

52 साल पुराने नस्लीय जिन्न को जगाना नहीं चाहते डिकॉक, घुटने के बल बैठने के लिए हुए तैयार, बोले- मेरी सौतेली मां अश्वेत है

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने खुद को ब्लैक लाइव्स मैटर (इछट) से अलग करते हुए क्रिकेट साउथ अफ्रीका (उरअ) का आदेश मानने से इनकार कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने अपने फैसले में बदलाव किया है और वो ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान के तहत मैदान पर घुटने के बल बैठने के लिए तैयार हो गए हैं। साउथ अफ्रीका की टीम में भेदभाव वाला नस्लीय जिन्न बहुत पुराना है और इसके चलते उन्हें क्रिकेट से भी दूर रहना पड़ा था। साउथ अफ्रीका ने साल 1968-69 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलने से इनकार कर दिया था क्योंकि इंग्लैंड की टीम में एक अश्वेत खिलाड़ी थी। इसके बाद साल 1970 में आईसीसी ने रंगभेद नीति को लेकर साउथ अफ्रीका टीम के खिलाफ वोट किया था। दरअसल, यह वोटिंग साउथ अफ्रीका टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से निलंबित करने के लिए की गई थी। साउथ अफ्रीका के नस्लीय जिन्न की वजह से बहुत से बेहतरीन खिलाड़ियों का कॅरियर भी खराब हो गया वरना साउथ अफ्रीका को पहले भी बेहतरीन खिलाड़ी मिलते। दरअसल, साउथ अफ्रीका की सरकार ने रंगभेद को लेकर नीति का निर्माण किया था। जिसके तहत उनकी टीम श्वेत देशों के साथ ही मुकाबला खेल सकती थी। इसके अलावा उनकी यह भी शर्त रहती थी कि विपक्षी टीम में श्वेत खिलाड़ी ही खेलें। साउथ अफ्रीका की इस नीति की वजह से वहां के क्रिकेट को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि, 21 साल बाद उन्होंने रंगभेद वाली नीति को समाप्त किया। जिसके बाद साल 1991 में एक बार फिर साउथ अफ्रीका टीम की वापसी हुई।

क्या बोले डिकॉक ?- विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक ने कहा कि मैं जिस पीड़ा, भ्रम और गुस्से का कारण बना, उसके लिए मुझे गहरा खेद है। मैं अबतक इस महत्वपूर्ण मसले पर चुप था। लेकिन मुझे लगता है कि अब मुझे अपनी बात को थोड़ा स्पष्ट करना चाहिए। जब भी हम विश्व कप में खेलने के लिए जाते हैं तो ऐसा कुछ होता है। यह उचित नहीं है। मैं अपने साथियों विशेषकर कप्तान तेम्बा बावुमा का सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

मध्यप्रदेश हॉकी ने जीता लगातार दूसरा राष्ट्रीय खिताब

चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में राजा करण अकादमी को 3-1 से हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप-2021 के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मप्र हॉकी अकादमी ने फाइनल मुकाबले में राजा करण हॉकी अकादमी को 3-1 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता।

इससे पहले मप्र हॉकी अकादमी ने प्रथम हॉकी इंडिया सब जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल हॉकी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। हॉकी इंडिया एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चैंपियनशिप के मुकाबले मेजर ध्यानचंद स्टेडियम की नवनिर्मित टर्फ पर खेले गए। फाइनल मुकाबले के पहले क्वॉर्टर में दोनों टीमों ने सधे हुए खेल का प्रदर्शन किया। हालांकि, दोनों ही टीमें गोल नहीं कर पाई। दूसरे क्वॉर्टर में मप्र हॉकी अकादमी के कोच ओलंपियन समीर दाद ने टीम को कुछ बदलती हुई रणनीति के साथ उतारा। इसका फायदा टीम को मिला और उन्होंने दो गोल दाग दिए। मैच के 19वें मिनट में मप्र हॉकी अकादमी को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिस पर सौरभ पशीने ने गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अगले ही मिनट में अख्तर अली को मौका मिला और उन्होंने टीम को 2-0 की बढ़त पर ला दिया। लगातार हुए दो गोल से राजा करण अकादमी की टीम दबाव में आ गई। उन्होंने जवाब हमले किए, लेकिन गोलकीपर हेमम धनराज सिंह ने इसे विफल कर दिया। मैच के 39वें मिनट में श्रेयस धुपे ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। मैच के चौथे क्वॉर्टर में राजा करण हॉकी अकादमी को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और अज्ञपाल ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-3 कर दिया। इसके साथ ही मप्र हॉकी अकादमी ने 3-1 से मुकाबला और खिताब अपने नाम कर लिया। चैंपियनशिप में तीसरे स्थान के मुकाबले में नामधारी इलेवन ने राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी को 6-4 से पराजित किया।

खेल मंत्री और पुलेला गोपीचंद ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिए मैदान पर पहुंची। उनके साथ पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी पद्मश्री श्री पुलैला गोपीचंद भी उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। खेल मंत्री ने मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में बैठकर मैच का आनंद लिया। पद्मश्री पुलेला गोपीचन्द ने पुरस्कार वितरण के दौरान खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मान. मंत्री खेल और युवा कल्याण, म.प्र. के खेलों के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई दी तथा इस मैच को बहुत ही उच्चस्तर का बताया। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विजेता सब जूनियर और जूनियर टीम के प्रत्येक सदस्य को क्रमशः 15 हजार एवं 20 हजार की प्रोत्साहन राशि से किया सम्मानित किया।

निषाद जातियों को एससी आरक्षण व अधिकार दिलाना वीआईपी का मुख्य लक्ष्य

कोई राम को मानता है कोई रहीम को,हम फूलन देवी जी को आदर्श मानते हैं- मुकेश साहनी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विकासशील इंसान पार्टी के वाराणसी जिला अध्यक्ष सुचित कुमार साहनी के तत्वावधान में सुजाबाद मैदान पड़ाव पर आरक्षण जनचेतना रैली आयोजन किया गया। रैली को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए वीआईपी संस्थापक सह पशुधन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री बिहार सरकार सन-ऑफ मल्लाह मुकेश साहनी ने कहा कि हमने 2014 में निषाद आरक्षण आंदोलन के लिए निषाद विकास संघ का गठन कर बिहार में निषाद समाज को जोड़ने जगाने का काम शुरू किया। उत्तर प्रदेश के निषाद समाज को जगाने के लिए 2016 में पूरे प्रदेश में निषाद क्रांति रथ चौ.लौटनराम निषाद के नेतृत्व में घुमवाया। निषाद राज की जयन्ती पर 11अप्रैल,2016 को श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज) में महाराज गुहराज निषाद जी की 25 फीट ऊँची प्रतिमा लगवाया। विगत 25 जुलाई को उत्तर प्रदेश के 18 जिलों में वीरांगना फूलन देवी जी की 18-18 फीट ऊँची प्रतिमा उनकी 20वीं पुण्यतिथि लगवाने के लिए भेजा।जिसे उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया के इशारे पर प्रशासन ने लगाने से रोक दिया और प्रतिमाओं को पुलिस में अपने कब्जे में ले लिया।हमने ठान लिया है कि योगी सरकार ने फूलन जी की 18 प्रतिमाएं नहीं लगने दिया,हम फूलन को घर घर पहुंचाएंगे।फूलन जी की 50 हजार प्रतिमाएं उत्तर प्रदेश में लगने के लिए बनकर तैयार हैं।जिसे घर घर मे लगवाने के लिए निषाद, बिन्द, लोधी, कश्यप समाज के पास भेजवाएँगे,5 लाख लॉकेट व 10 लाख कैलेण्डर बंटवाएँगे। कोई राम को मानता है और कोई रहीम को,हम फूलन देवी जी को मानते हैं।हमारी आस्था फूलन जी में है,वहीं हमारी आदर्श हैं। वीआईपी संस्थापक मुकेश सहनी ने रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि निषाद जातियों को अनुसूचित जाति का आरक्षण,अधिकार दिलाना व जातिगत जनगणना

कराना वीआईपी पार्टी का मुख्य उद्देश्य है। आरक्षण नहीं तो मिशन 2022 में भाजपा को समर्थन व उससे गठबंधन नहीं। राज्य व केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार है।भाजपा ने आरक्षण की विसंगति को दूर कर या क्षेत्रीयता समाप्त कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड के निषाद-मल्लाह,केवट, बिन्द, धीवर, कश्यप, कहार, गोड़िया, तुराहा, माँझी, रैकवार, राजभर, नोनिया आदि को अनुसूचित जाति का आरक्षण चुनाव से पूर्व देने का राजपत्र व शासनादेश जारी कर दिया तो बिना सीट की मांग के भाजपा को सहयोग व समर्थन दिया जाएगा। आरक्षण नहीं तो गठबंधन नहीं,यही वीआईपी का नारा है।अब वादा नहीं आरक्षण अधिकार का राजपत्र व शासनादेश चाहिए। सहनी ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली का मल्लाह (केवट, माँझी, धीमर, धीवर, कहार, तुरहा, कश्यप, झीवर,झीमर आदि),पश्चिम बंगाल का मल्लाह,केवट,बिन्द, चाईं, तियर, कैवर्ता आदि व उड़ीसा के माँझी, डेवर, धीवर,धीबरा,जलकेउट, कैवर्ता आदि अनुसूचित जाति में हैं। यही नहीं उत्तर प्रदेश में मझवार, तुरैहा,गोंड़, खैरहा, खोरोट, बेलदार, पनिका आदि अनुसूचित जाति में हैं और इन्ही की पर्यायवाची उपजातियाँ मल्लाह, बिन्द, केवट, धीवर, कहार, रैकवार, माँझी आदि अन्यपिछड़े वर्ग में है। भाजपा ने अनुसूचित जाति का आरक्षण अपने वायदे अनुसार नहीं दिया तो वीआईपी सामाजिक न्याय आधारित राजनीतिक दलों से गठबंधन कर या अकेले अपने बलबूते नाव चुनाव पर चुनावी समर में उतरेगी।

श्रीराम की नैया को गंगा पार कराने वाले निषादराज के वंशजों की नैया मंझधार में फँसी है।सहनी ने कहा कि बिहार में हमारी पार्टी के 4 विधायक हैं।वीआईपी राजग की एक मुख्य सहयोगी पार्टी है। हम निषाद आरक्षण की लड़ाई लड़ रहे हैं।मंत्री पद हमारे लिए कोई मायने नहीं रखता` मंत्री पद रहे या न रहे,हम निषाद समाज के अधिकार व सम्मान की लड़ाई लड़ रहे हैं।निषाद समाज को अपने वोट की ताकत को पहचानने की जरूरत है।हमारी पार्टी 169 सीटों पर मजबूती के साथ लड़ेगी।जरूरत पड़ी तो 403 सीटों पर लड़ाएंगे।

रैली को वीआईपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इं. हरिओम निषाद,प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशंकर निषाद, वाराणसी जिला अध्यक्ष सुचित कुमार साहनी, जिला प्रधान महासचिव दीपक आर्य, सुदर्शन चौधरी,जिला महा सचिव खुसबू श्रीवास्तव,जिला अध्यक्ष वाराणसी सीमा यादव,प्रदेश सचिव (युवा मोर्चा)धनंजय साहनी,मंडल अध्यक्ष इ अरविंद मझवार आदि ने सम्बोधित किया।

चीनी न मिलने से फीकी रहेगी गरीब परिवारों की दिवाली

अंबेडकरनगर। जिले के लगभग 65 हजार अन्त्योदय राशन कार्डधारकों की दीपावली इस बार फीकी मनेगी। त्योहार पर कार्डधारकों को सस्ती दर पर मिलने वाली चीनी नही मिलेगी। विभागीय अफसरों ने अभी तक त्योहार पर वितरित होने वाली चीनी की उठानी ही नहीं करायी है। अफसरों की इस ढिलाई और उदासीनता को लेकर गरीब कार्डधारकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। शासन द्वारा अन्त्योदय श्रेणी के गरीब परिवारों को प्रति माह 18 रुपये प्रति किग्रा की दर से एक किलोग्राम चीनी उपलब्ध करायी जाती है। बीते दो माह से चीनी का वितरण न होने से कार्डधारकों को दीवाली के त्योहार पर एक साथ तीन माह की 3 किलो चीनी मिलनी चाहिए थी। खाद्य विभाग ने राशन वितरण का कार्य तो दीपावली पर्व से करा दिया लेकिन पात्रों को सस्ती दर पर चीनी उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस नही की। इसके चलते ही दीपावली पर्व करीब आ जाने के बावजूद विभाग की तरफ से अभी तक चीनी की उठान तक नहीं की गयी है। सूत्रों की मानें तो विभाग चीनी की उठान 10 नवंबर के बाद किए जाने की तैयारी में है। ऐसे में जिले के 65 हजार से अधिक अंत्योदय कार्डधारकों को दीपावली के पर्व पर बाजार से ही ऊंची दर पर चीनी खरीदने की परेशानी उठानी पड़ेगी।आदमपुर तिंदौली के अमित ने दीपावली पर सस्ती दर की चीनी न मिलने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जानबूझकर आम लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं।

सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने बजाया ताली व थाली

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। मड़िहान विधानसभा अंतर्गत आने वाले विकास खण्ड-जमालपुर, मीरजापुर के ग्राम सभा-बनौली के ग्रामीणों द्वारा गांव के संपर्क मार्गों के निर्माण की मांग को लेकर ताली-थाली बजाकर प्रर्दशन किया गया।साथ ही रोड नही तो वोट नहीं का नारा भी लगाया गया। बताते चलें कि ग्राम- बनौली को चारों दिशाओं से जोड़ने के लिए संपर्क मार्ग है, लेकिन सभी संपर्क मार्ग काफी जर्र-जर्र अवस्था में है।कई वर्षों से इस गांव के संपर्क मार्गों पर कोई काम नहीं हुआ है।इन मार्गों पर सिर्फ एक बार ही गिट्टी,मोरंग पड़ा है वो भी बिना कोलतार लेपन के।ग्रामीणों का कहना है कि बहुत सी सरकारें आईं गयी लेकिन किसी भी द्वारा इस गांव के संपर्क मार्गों पर ध्यान नहीं दिया गया।पिछले तीन बार से तो हम लोग लोकसभा और विधानसभा में भाजपा को ही वोट देते आ रहे हैं, लेकिन देश

और प्रदेश में दोनों जगह सरकार होने के बावजूद भी हमारे गांव में अभी तक कोई भी कार्य नही हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि विधानसभा चुनाव से पहले हमारे गांव के संपर्क मार्गों का निर्माण नहीं हुआ तो हम लोग चुनाव का बहिष्कार भी कर सकते हैं।अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि इस गांव को मड़िहान विधानसभा के अंतिम छोर पर बसे होने के कारण जन प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है,जो उचित नहीं है।संपर्क मार्गों का तुरंत निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।ताली-थाली बजाकर प्रर्दशन करने वालों में शिवमन्दिर सिंह,जयनारायण सिंह,गुड्डू सिंह,रमेश सिंह,रामचंद्र सिंह,राजन गुप्ता,विश्वनाथ सिंह,संजय सिंह,अरबिंद सिंह,शमसेर बहादुर सिंह,घासी बियार,रामअवध शर्मा,भगवान दास बियार,पंचराज सिंह,नरेंद्र सिंह,दिनेश सिंह,अरबिंद सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

समर सिंह, रूपा मिश्रा व ऋतु सिंह की ग्रेट भैया जी की शूटिंग शुरू

प्रखर दानगंज वाराणसी। भोजपुरी सिनेमा के देसी स्टार समर सिंह, चुलबुली अदाकारा रूपा मिश्रा और बबली गर्ल ऋतु सिंह स्टारर भोजपुरी फिल्म "ग्रेट भइया जी" का भव्य मुहूर्त करके भोजपुरी फिल्म ग्रेट भइया जी की शूटिंग शुरू कर दी गई है। अभिनेत्री से फिल्म निर्मात्री बनी रूपा मिश्रा के होम प्रोडक्शन बैनर महादेव प्रोडक्शन हॉउस की दूसरी प्रस्तुति फिल्म ग्रेट भईया जी का निर्माण एक यूनिक और देसी स्टोरी के साथ भव्य पैमाने पर की जा रही है। फिल्म की प्रोडयूसर रूपा मिश्रा हैं, जबकि प्रेजेंटर रमेश यादव हैं। फिल्म के लेखक व निर्देशक मुरली लालवानी हैं। आपको बता दें कि पहली बार इस फिल्म में समर सिंह, रूपा मिश्रा और ऋतु सिंह की जोड़ी दिखने वाली है, जोकि भोजपुरिया ऑडिएंस के लिए भी एक फ्रेश इंटरटेनिंग होगी। आपको बता दें कि रूपा मिश्रा के महादेव फिल्म प्रोडक्शन की तीन फिल्मों के लिए देसी स्टार समर सिंह को अनुबंधित किया गया है। जिसमे से एक फिल्म "ग्रेट भइया जी" की शूटिंग शुरू हो गई है। कई भोजपुरी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा चुकी फिल्म निर्मात्री व अभिनेत्री रूपा मिश्रा ने बताया कि हमारे प्रोडक्शन हाउस के जरिये भोजपुरी फिल्म "ग्रेट भइया जी" का निर्माण किया जा रहा है। इसके नायक देसी स्टार समर सिंह हैं। चूंकि मैं खुद एक महिला प्रोड्यूसर हूँ इसलिए फिल्म साफ सुथरी पारिवारिक बन रही है जिसे हर वर्ग के दर्शक देख सकेंगे। हमे खुशी है कि समर सिंह हमारी फिल्म के हीरो हैं जिनकी बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है और उनके लाखों दीवाने हैं। साथ ही नायिका ऋतु सिंह भी अपनी अदा से सबको दीवाना बनाएंगी। वहीं देसी स्टार समर सिंह भी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से अपनी एक तस्वीर भी साझा की है। उन्होंने बताया कि महादेव प्रोडक्शन हाउस एक ऐसा बैनर है जिसके द्वारा बनाई जा रही फिल्म "ग्रेट भइया जी" का मैं हिस्सा हूँ। मुझे फिल्म की कहानी और किरदार काफी डिफेरेंट लगा जो भोजपुरिया दर्शको को कनेक्ट करने वाला है। यह फिल्म म्यूजिकल ड्रामा होगी जिसमे मनोरजंन का पूरा ख्याल रखा जाएगा। मैं और इस प्रोडक्शन हाउस की पूरी टीम शूटिंग करते हुए बेहद एक्साइटेड हैं। गौरतलब है कि रूपा मिश्रा द्वारा भव्य पैमाने पर निर्मित की जा रही फिल्म "ग्रेट भइया जी" के डीओपी विकास पांडेय, संगीतकार साजन मिश्रा हैं। कोरियोग्राफर प्रसून यादव, फाइट मास्टर दिनेश यादव, आर्ट डायरेक्टर डीके मौर्य हैं। फिल्म प्रचारक रामचन्द्र यादव है। फिल्म के मुख्य कलाकार समर सिंह, रुपा मिश्रा, ऋतु सिंह, उमेश सिंह, राजकपूर शाही, इन्द्रसेन यादव, सीपी भट्ट, राजा भोजपुरिया, जमाल खान, बबिता सिंह, मेहमान कलाकार रितिका शर्मा, संजना सिल्क हैं।

बाइक की डिक्की से 70 हजार लेकर भागा उचक्का

रसड़ा (बलिया)। स्थानीय नगर रसड़ा के रसड़ा-कोटवारी मोड़ पर ग्राम मोतीरा निवासी एलआईसी अभिकर्ता सुधीर गुप्ता की खड़ मोटरसाइकिल की डिक्की को उनके सामने ही तोड़ कर उचक्के ने 70 हजार रुपये निकाल कर फरार हो गया। वारदात देख सुधीर एकाएक सदमे में हो गया और अचानक उसकी आवाज ही बंद हो गई जिससे वह बजाय शोर मचान के स्वयं ही उचक्के का पीछा किया इसी दौरान उचक्का एक बाइक पर सवार होकर भाग निकला। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभिकर्ता सुधीर गुप्ता स्टेट बैंक से 70 हजार रुपये निकाल कर डिक्की में रखकर अपने घर जा रहा था कि इसी बीच कोटवारी मोड़ पर एक दुकान पर बाइक खड़ा करके कुछ सामान खरीद कर वापस हो रहा था, तभी उच्चके ने घटना को अंजाम दे दिया।

चाकूबाजी में मृत देवेन्द्र के परिजनों को विधायक उमाशंकर सिंह ने सौंपा 50 हजार का चेक

रसड़ा (बलिया)। प्रदेश के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र 358 अन्तर्गत थाना कोतवाली रसड़ा क्षेत्र के ग्राम महराज निवासी देवेन्द्र चौहान को विजयादशमी के दिन मेला देख घर लौटते समय सिंगही

काली मंदिर के पास कुछ मनबढ़ युवकों द्वारा चाकूबाजी कर मौत के घाट उतार दिये जाने की जानकारी होने पर रसड़ा बसपा विधायक उमाशंकर सिंह लखनऊ सहित गांव में जनता दरबार कार्यक्रमों को छोड़ पीड़ित परिवार से मिल कर उनके दुखों को साझा कर उन्हें सांत्वना देने के लिए उनके घर पहुंच कर मृतक के परिजनों से मुलाकात कर, उन्हें पच्चास हजार रुपये का सहयोग राशि का चेक सौपा तथा पीड़ित परिवार को भविष्य में किसी भी मुश्किल की घड़ी में यथासंभव मदद का आश्वासन दिया । इस मौके पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए विधायक उमाशंकर सिंह ने कहां कि विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है, वर्तमान भाजपा सरकार व विभिन्न दलों के लोग ब्यानबाजी कर अपने झूठे लुभावने भाषण व वादा कर जनता को गुमराह कर वोट लेने के प्रयास में जुटे हैं ,जहां तक विधानसभा रसड़ा के चुनाव नतीजे का प्रश्न है,तो मुझे पूरा विश्वास और भरोसा है कि मेरे क्षेत्र की जनता अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने बेटा मुझ उमाशंकर सिंह को फिर तीसरी बार विधायक बनायेगी । इस मौके पर रणजीत सिंह ,सचिन सिंह , विक्रांत सिंह अजय शर्मा , बिपिन सिंह ,आदि काफी लोग मौजूद रहे।

भाजपा जौनपुर की जिला बैठक सम्पन्न हुई

प्रखर जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक टी डी महिला पी जी कालेज में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला

अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की। बैठक में जिलाध्यक्ष ने जिला पदाधिकारी और मण्डल अध्यक्ष का वृत्त लिया और आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करवाई। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी पार्टी है जिसमें सभी वर्ग के लोगो को संगठन में आगे बढ़ने का मौका मिलता है और आगामी 2022 में उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार बने इसके लिए सभी लोगो को अपने-अपने बूथ पर भारतीय जनता पार्टी की योजनाओं का प्रचार करना है। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा के चुनाव में हम लोगो को पांचो विधानसभा में कमल खिलाने का काम करना हसि और हर बूथ पर पार्टी की योजनाओं का प्रचार करना हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, सुनील तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सन्तोष सिंह, जिला मंत्री रविन्द्र सिंह, अभय राय, उमाशंकर सिंह, विजय लक्ष्मी साहू, राज पटेल, जिला कोषाध्यक्ष सन्तोष मिश्रा, मण्डल प्रभारी गण सरदार सिंह, धनञ्जय सिंह, भूपेन्द्र सिंह, हरषु पाठक, हरगोविंद तिवारी, अजीत प्रजापति, मीडिया प्रभारी आमोद सिंह, नरेंद्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, अजय सरोज, दिव्यांशु सिंह, मेराज हैदर, जिला संयोजक सदस्यता प्रमुख विनय सिंह, विनीत शुक्ला, विपिन द्विवेदी, इन्द्रसेन सिंह, प्रमोद प्रजापति, मण्डल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा, बलबीर गौड़, विनोद मौर्य, लवकुश सिंह, वंश बहादुर पाल, भोला सिंह, राम स्वारथ बिंद, अमित श्रीवास्तव, विकास शर्मा, मदन सोनी, राज केसर पाल, धर्मेंद्र मिश्रा, अजय मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, नरेंद्र विश्वकर्मा, शैलेश सिंह, संतोष गुप्ता, चंद्रेश गुप्ता, सुरेंद्र विक्रम सिंह, महेंद्र बिंद, दिलीप शर्मा मण्डल महामंत्री सुरेंद्र पाठक, विनोद सिंह आदि उपस्थित रहे।

संस्कार 10 भाषाओं में गाना गाकर गोरखपुर का पूरे देश में बढ़ा रहा मान

गोरखपुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के आरोग्य मंदिर स्तिथ राप्ति नगर फेज नंबर 3 के रहने वाले संस्कार के पिता सुशील श्रीवास्तव पेशे से अध्यापक व माँ पिंकी श्रीवास्तव के पुत्र संस्कार उम्र करीब 10 वर्ष के गाने को सुनकर लोग अपने दांतों तले अंगुली दबा लेते है व हैरान भी हो जाते हैं। हैरान भी क्यों न हो , हैरान होना भी लाजमी है। क्यों कि आमतौर पर लोग केवल बोलचाल में अधिक्तम हिंदी, भोजपुरी, व अंग्रेजी भाषाओ का प्रयोग करते है और कक्षा 4 का छात्र संस्कार तो महज 10 वर्ष की अवस्था मे ही लगभग 10 से 12 भाषाओं में गानों को गाकर पूरे देश मे गोरखपुर का मान व नाम रोशन कर रहा है। संस्कार जैसा कि नाम संस्कार है ठीक उसी प्रकार से संस्कार के अंदर संस्कार भी कूट कूट कर भरा हुआ है संस्कार ने मात्र 2 साल की अवस्था मे ही हिंदी ,अंग्रेजी व कंप्यूटर का पर अपनी मजबूत पकड़ बना रखा था संस्कार को हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी ,उड़िया, गुजराती,अरेबियन, स्पेनिश पंजाबी , श्रीलंकन,नेपाली व रैप सॉन्ग को अपनी मधुर आवाज में गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर लोगो का दिल जीत लेता है। इन भाषाओं के साथ साथ ही संस्कार थाई ,चीनी ,कोरियन, मलेशियन, फ्रेंच, जर्मन, इटालियन , व जापानी भाषाओं के साथ ही साथ हारमोनियम व गिटार को बजाने का सीखने का प्रयास जारी रखा है । आपको बताते चलें कि संस्कार को इतनी सारी भाषाओं में गानो को सीखने के लिए किसी गुरु का सहारा लेना नहीं पड़ा । बल्कि संस्कार ने इस आधुनिक युग में कोरोना काल में लॉक डाउन के दौरान ही घर बैठे बैठे ही यूट्यूब को ही अपना गुरू मानकर इन सभी भाषाओं में गाना गाने की कला को सीखने में महारत हासिल किया ।

संक्षिप्त खबरें

अवैध खनन कर रहे ट्रैक्टर समेत चालको को पुलिस को सौपा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थानांतर्गत रामपुर में अवैध खनन में लिप्त बिना ड्राइविंग लाइसेंस के अनियंत्रित गति से वाहन चला रहे ट्रैक्टर सहित चार चालकों को ग्रामीणों ने पुलिस सौंपा।घटना सुबह साढ़े 9 बजे की है। लेकिन मौके से 3 ट्रैक्टर चालक व जेसीबी मौके से गायब हो गई। बताया जाता है कि अवैध खनन में शामिल ट्रैक्टर चालकों द्वारा अत्यधिक तेज गति से वाहन को चलाया जा रहा था जिसके कारण दर्जनों लोग दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचे। जिससे नाराज ग्रामीण अवैध खनन माफियाओं एवं जानलेवा गति से ट्रैक्टर चालकों के विरोध में कार्यवाही की माँग करते कर रहे ग्रामसभा रामपुर के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। जिससे मिराशाह-कठिरांव मार्ग अवरुद्ध हो गया । और पकड़ में आये चार ट्रैक्टर व चालक के साथ एक जेसीबी पुलिस को सुपुर्द की लेकिन मौका देख तीन ट्रैक्टर व जेसीबी चालक लेकर भाग निकले। इस बाबत हिन्दू जागरण मंच के प्रदेश मंत्री गौरीश सिंह ने एसपी ग्रामीण एवं सीओ पिंडरा को मामले से अवगत कराते हुए उचित कार्यवाही की मांग की।वही पुलिस के हत्थे एक मात्र ट्रैक्टर व चालक चढ़ा।

बेचू बीर मेले को लेकर तैयारियां जोरों पर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बरही गांव में अंतर प्रांतीय स्तर पर लगने वाला बेचू बीर मेला नजदीक आ गया है । मेले की सुरक्षा व्यवस्था सहित मंदिर के पुजारी एवं मंदिर व्यवस्थापक ने अपनी एवं अपने परिजनों की सुरक्षा करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री सहित अन्य उच्च अधिकारियों को पत्रक भेजा है । इसके साथ ही मेला सकुशल संपन्न हो उसकी भी तैयारी जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण कराने का आग्रह किया है । बता दें कि कोविड-19 के कारण पिछले 2 साल से मेला प्रभावित था पिछले साल जिला प्रशासन के रोक के बावजूद भी मेले में कुछ लोग पहुंचे थे लेकिन इस वर्ष कोविड-19 प्रभाव न होने के कारण मेले की तैयारी मंदिर व्यवस्थापक द्वारा शुरू कर दी गई है । बेचूबीर बाबा के मंदिर के व्यवस्थापक रोशन लाल यादव ने बताया कि बेचू बीर का अंतर प्रांतीय तीन दिवसीय मेला 12 नवंबर से लेकर 15 नवंबर तक चलेगा मेले में पुत्र प्राप्ति की कामना सहित भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लाखों की संख्या में जनपद , प्रदेश ही नहीं बल्कि अंतर प्रांतीय स्तर से लाखों की संख्या में लोग आते हैं । इतनी बड़ी भीड़ संभालने के लिए काफी मशक्कत एवं प्रयास करना पड़ता है । मंदिर व्यवस्थापक ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण बेचूबीर बाबा के पुजारी बृज भूषण यादव एवं उनके परिवार के लोगों की भी सुरक्षा की व्यवस्था प्रतिवर्ष की जाती है इस वर्ष भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया गया है । अहरौरा से लगभग 15 किलोमीटर पश्चिम जंगलमहल ग्राम पंचायत के बरही नामक गांव में लगने वाला बेचूबीर बाबा का विशाल मेला अपने आप में काफी अनूठा होता है । चारों तरफ से जंगलों एवं पहाड़ों से घिरे नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की जाती है ।

नगर पालिका कार्यालय के पास शुरु हुआ स्वनिधि तीन दिवसीय दीपोत्सव मेला

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। शासन के निर्देश पर नगर पालिका परिषद अहरौरा के कार्यलय में दीपावली के मौके पर तीन दिवसीय स्वनिधि दीपोत्सव मेले का आयोजन किया गया। गुरुवार की सुबह चेयरमैन गुलाब मौर्या द्वारा फीता काट कर मेले का शुभारंभ किया गया। यह मेला गुरुवार से शनिवार तक लगेगा। नगर पालिका अध्यक्ष गुलाब मौर्य व अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नगर पालिका चेयरमैन गुलाब मौर्य ने बताया कि 28 अक्टूबर को 12 बजे से मेले का शुभारंभ कराया गया। उन्होंने बताया कि इस मेले में स्ट्रीट वेंडरों को वरीयता दी जा रही है। इसके अलावा शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल और टेंट भी लगाया गया। वही मेले के पहले दिन दोपहर बाद चार बजे से बिरहा गायक डॉ. मन्नु यादव के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम बिरहा का आयोजन भी किया गया। डॉक्टर मन्नू यादव ने अपने गायन से कार्यक्रम में समा बांध दिया । यह मेला 30 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें रोजाना विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें। मेले में लोक गायक डा मन्नू यादव, राजाराम यादव, बेचन बिंद ने लोक गीत की प्रस्तुति किया। मेले का संचालन सभासद कुमार आनंद ने किया। इस दौरान सभासद इरशाद आलम, कृष्ण कुमार तिवारी , सभासद प्रतिनिधि मुरारी यादव ,रामचंद्र, नीतीश कुमार,मृत्यंजय,विनोद,दर्शन सिंह ,आशीष, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीओए सदस्यों के साथ सीईपीसी चेयरमैन ने की आपातकालीन बैठक

भदोही। सीईपीसी के चेयरमैन उमर हमीद ने कहा कि मैने हाल ही में दिल्ली और शेष भारत के सीओए सदस्यों के साथ बैठक की और उसके तुरंत बाद गुरुवार को भदोही के एक्सपो मार्ट में उत्तर प्रदेश के सीओए सदस्यों के साथ आपातकालीन बैठक करने के लिए पहुंचा। उन्होंने बैठक में यूपी के सभी सदस्यों को सीईपीसी और कालीन उद्योग की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में परिषद के चुनाव के बाद नई टीम गठित हुई है। जिसके बाद हमने उद्योग हित में कुछ

निर्णय लिए और आरओडीटीईपी (रोडटेप), इंट्रेस्ट सबवेंशन, एक्सपो मार्ट संचालन, कालीन लेबल ब्रांडिंग और परिषद के आगामी आयोजनों पर काम करना शुरू किया। मगर बड़े दुख से कहना पड़ रहा है संजय गुप्ता की अगुवाई वाली टीम ने परिषद के कार्यों में बाधा डालने की नियत से सीईपीसी के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न मंचों पर न केवल अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं बल्कि शिकायतें की जा रही हैं। श्री हमीद ने कहा कि हमने दृढ़ता से विधिवत सभी शिकायतों का जवाब भी दिया है। अब उन्होंने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) और वस्त्र मंत्रालय में सरकारी अधिकारियों को शिकायती पत्र लिखे हैं और आरटीआई दायर किया है। जबकि आरटीआई में सभी आरोप गलत, तथ्यहीन और मनगढ़ंत हैं। लेकिन फिर भी उनका भी कानूनी और आधिकारिक रूप से जवाब भेजा गया है। फिर भी परिषद के कार्यों को बाधित करने का उनका अभियान नहीं रुका है और वे मंत्रालय और विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) को राजनीतिक सहयोग लेकर अनर्गल शिकायतें लगातार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब यदि हम लोग केवल मनगढ़ंत शिकायतों के ही जवाब ही देते रहेंगे तो परिषद या कालीन उद्योग के कार्यों को कब निष्पादित करेंगे। चेयरमैन ने कहा कि सवाल-जवाब में फंसे रहना हमारी दैनिक दिनचर्या बन गई है। इन परिस्थितियों में उद्योग पर ध्यान केंद्रित कर पाना मुश्किल हो रहा है। मैं यह स्पष्ट कर दूं कि यदि सबकुछ इसी तरह से चलता रहा तो निश्चित रूप से कालीन उद्योग का कार्य प्रभावित होगा।

प्रोटोकॉल तोड़ सीधे सुनीता सिंह के घर पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

बेखबर प्रशासन के हाथ-पावँ फुले, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आम कार्यकर्ता को दिया सम्मान

प्रखर आजमगढ़। पूर्वांचल के दौरे पर मऊ पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रोटोकाल तोड़ते हुए अपनी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह के घर ग्राम

सभा ढाका जिला आजमगढ़ जाने का फैसला लिया जो वहां से सैकड़ों किलोमीटर दूर गाजीपुर बार्डर पर स्थित है। उनके इस फैसले पर प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। लेकिन अपने कार्यकर्ता के घर पहुंचने की उनकी जिद के सामने आखिर कार प्रशासन को नतमस्तक होना पड़ा। हेलीकॉप्टर से मऊ पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जिस तरह से एक आम कार्यकर्ता के घर जाने फैसला लेते हुए दूसरी पार्टियों को बहुत बड़ा संदेश दिया है। मौजूदा समय में जहाँ एक तरफ वर्तमान सरकार में भरतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को उनकी बात नहीं सुने जाने का मलाल है तो वहीं दूसरी तरफ एक आम कार्यकर्ता के घर पहुंच कर अखिलेश यादव ने अपने कार्यकताओं को बड़ा संदेश दिया है। वैसे भी समाजवादी पार्टी अपने कार्यकताओं के साथ बहुत मजबूती से हमेशा खड़ी रही है। मऊ से आजमगढ़ के ढाका गांव पहुंचने के बीच अखिलेश यादव ने जनता को जो संदेश दिया है वह साफ है कि अगर सुबे में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो गांव-गिरांव की सड़कें भी चुस्त-दुरुस्त होंगी क्योंकि उन्हें सड़क मार्ग से आते समय सड़कों की स्थिति का अंदाजा हो गया होगा। गौरतलब है कि करोना काल में सुनीता सिंह के पति अरविंद सिंह का 26 मई को लंबे इलाज के दौरान देहांत हो गया था। इलाज के समय भी अखिलेश यादव लगातार सुनीता सिंह के साथ खड़े रहे और फोन पर ही परिवार को हिम्मत और ढाढ़स देते रहे लेकिन व्यस्तता के कारण उस समय पहुंच नहीं पाए थे। लेकिन पूर्वांचल के अपने पहले दौरे पर मऊ पहुंचते ही उन्होंने सुनीता सिंह के घर जाने का फैसला लिया और सभी प्रोटोकाल तोड़ते हुए गाजीपुर बार्डर पर स्थित ढाका गांव पहुंच गए। प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह ने कहा कि

अध्यक्ष जी ने मेरे ग्रामसभा ढाका आकर मेरे पति स्वर्गीय अरविंद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित किए मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का बहुत-बहुत आभार प्रकट करती हूं कि मेरे जैसे छोटे से कार्यकर्ता के घर आकर उन्होंने जो मेरा सम्मान बढ़ाया है । मैं आजीवन आभारी रहूंगी । दुख की इस घड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का आना मेरे लिए और मेरे परिवार के लिए संजीवनी का काम किया है।

मैं अपने समाज से अपेक्षा करती हूं कि वह हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को 2022 में मुख्यमंत्री बनाएं और मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के और लोहिया जी के विचारों और नीतियों को बूथ स्तर पर जनता के बीच में जाकर पार्टी को मजबूत करूंगी। जनता को भी यह पता है कि इस समय अखिलेश जी के समकक्ष राष्ट्रीय स्तर पर कोई नेता नहीं है जो उनके जैसी समाजवादी और विकास की सोच रखता हो। जनता इस सरकार से ऊब गयी है और अब वह परिवर्तन चाहती है। सुनीता सिंह के घर पहुंचे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुनीता सिंह हमारी पार्टी की रीढ़ हैं । इन्होंने संगठन का काम बहुत अच्छा किया है । बहुत से आंदोलनो को इन्होंने मजबूती स्व निभाया है। मैं इनके परिवार के साथ हूं और पार्टी इनको और इनके परिवार को हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आगमन की खबर के साथ ही पूरे जनपद में हलचल मच गई और सपा के तमाम बड़े नेता और कार्यकताओं का बड़ा हुजूम आजमगढ़ के ढाका गांव पहुंच गया। जिसमें पूर्व मंत्री कैबिनेट बलराम यादव,पूर्व मंत्री कैबिनेट दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व सांसद रमाकांत यादव, वर्तमान जिला अध्यक्ष हवलदार यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष विजय यादव, लालगंज के विधायक विजय सरोज, लालगंज के चेयरमैन शरद यादव अलावा गांव के संभ्रांत नागरिकों में शंकर सिंह, दिनेश सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, रविंदर विश्वकमार्के साथ साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

खाद्य सामग्री पाकर खिले गरीबों के चेहरे

प्रखर मेंहनगर आजमगढ़। रामजन्मभूमि मामले में बरिष्ठ अधिवक्ता लालबहादुर सिंह के पैतृक गांव पंदहा में गुरुवार को अक्षय पात्र संस्थान मथुरा से आए खाद्य सामग्री के तीन सौ पैकेज कोरोना काल में असहाय गरीब परिवारों में वितरित किया गया खाद्य सामग्री पाकर गरीबो के चेहरे खिले , इस बावत श्री सिंह ने बताया कि उक्त खाद्य सामग्री अक्षय पात्र संस्थान द्वारा मेरे घर भेज दिया गया था ,जो आज वितरित किया गया है,बताते चलें कि स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत पंदहा के श्री सिंह की नवनिर्वाचित बहू व ग्राम प्रधान श्रीमती वंदना सिंह की मौजूदगी में गुरुवार को ग्राम पंदहा ,दामा ,लौदह इमादपुर ,ठोठिया ,बहादुरपुर ,अमौडा के गाँवो में गरीब परिवार व कोरोना काल के असहाय परिवारों को चिंहित कर तीन सौ लोगो को खाद्य सामग्री को खंड

विकास अधिकारी एस, एन ,गुप्ता व समाजसेवी व अधिवक्ता ओमप्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से वितरित किया ,खाद्य सामग्री के दौरान विधवा महिला व विकलांग व्यक्तियों की संख्या अधिक रही ,खाद्य के पैकेट में आटा ,चावल ,चना ,दाल ,चीनी ,कडुतेल ,रिफाइन ,मसाला ,हल्दी ,नमक देख गरीब परिवारों का चेहरा खिल उठा ,साथ ही श्री गुप्ता ने उपस्थित लोगों से कहा कि खाने के लिए अन्न की कमी नहीं पड़ेगी ,कोटेदारो द्वारा राशनकार्ड पर राशन न देते हो तो तत्काल अपने -अपने ग्राम प्रधान लोगों को अवश्य बताएं ,राशन की शिकायत पर सम्बंधित कोटेदार के विरुद्ध होगी कार्यवाही ,इस दौरान ग्राम पंचायत दामा प्रधान चन्द्रभूषण सिंह , ठोठिया ग्राम प्रधान राममूरत यादव , लौदह इमादपुर प्रधान डब्बू सरोज ,अंशू सिंह ,सहित कई लोग उपस्थित रहे ।

मेरे जीवन में शिक्षक जनों का बेहद ही महत्वपूर्ण स्थान- एमएलसी एके शर्मा

प्रखर लखनऊ। बी. एस. एन. वी. पी. जी. कॉलेज, लखनऊ में मानवीय मूल्य तथा विद्यार्थी जीवन के व्याख्यान पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व आईएएस अधिकारी एवं विधान परिषद सदस्य ए. के. शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि मेरे जीवन में शिक्षक जनों का बेहद ही महत्वपूर्ण स्थान है। मैं जो कुछ भी हूँ उन देवतुल्य शिक्षकों के मार्गदर्शन की वजह से हूँ। शिक्षा प्राप्त करना ही एकमात्र ऐसा मार्ग है जिसपर चलकर हम बहुत कुछ कर सकते हैं। शिक्षा के साथ हमारे अन्दर घमण्ड न आए, यह हमें हमारे गुरुजन सिखाते हैं। दूसरे का भला करना हमारा मानवीय मूल्य है जो हमारे संस्कृति में समाहित है। हमारे

ग्रन्थों ने मानवीय मूल्यों एवं संवेदना को बहुत ही सरल तरीके से प्रस्तुत किया है। जीवन में कोई भी फैसला लेने से पहले वंचित वर्ग के बारे में सोचना ही मानवीय संवेदना एवं मानवीय मूल्य है। छात्र ही देश के भविष्य हैं इसलिए छात्रों को सही शिक्षा देना तथा आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करना ही मानवीय मूल्य है। शिक्षक पूजनीय होते हैं जो हमें अज्ञानता के अंधेरे से निकालकर ज्ञान के उजाले की ओर ले जाते हैं। महात्मा गाँधी जी के बताए हुए मार्ग पर चलकर मानवीय मूल्यों की रक्षा की जा सकती है।संवेदनशीलता और सहनशीलता व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारता है। मानवीय मूल्यों की रक्षा करते हुए जीवन को खुशहाल माहौल में जीया जा सकता है।

फाइनेंस कंपनी में लूट की नियति से घूसे बदमाश दबोचे गए

प्रखर भदोही। भदोही पुलिस ने औराई थाने के कस्बा महाराजगंज स्थित एक फाइनेंस कंपनी में लूट की बड़ी बारदात को बचा लिया। गुरुवार को हथियारबंद लुटेरे शाखा कर्मियों को बंधक बना घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। उसी दौरान पुलिस तत्परता दिखाते हुए कंपनी की घेराबंदी कर दो लुटेरों को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर लिया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर महाराजगंज स्थित भारत फाइनेंसियल कंपनी खुली है। यह जरूरतमंद लोगों को ऋण देती है। गुरुवार की दोपहर हथियारबंद लुटेरे फाइनेंस कंपनी में घुसकर प्रबंधक राजकुमार और कैशियर मनोज कुमार निवासी बरैनी बसकापूरा, थाना कछवा, जनपद मिजार्पुर को बंधक बना लिया। प्रबंधक से 40000 लूट कर अपने कब्जे में ले लिए तथा कैश लाकर का ताला तोड़कर और पैसे लूटने का प्रयास कर रहे थे। स्थानीय लोगों की तरफ से औराई पुलिस को त्वरित सूचना दी गईं। जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक औराई द्वारा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच घेराबंदी कर बैंक के अंदर से बंधकों को छुड़ा हथियारबंद लुटेरों को गिरफ्तार किया गया। लुटेरों के कब्जे से लूटा हुआ 40000 बरामद भी किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक भदोही डॉ. अनिल कुमार मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने जन सहयोग की सराहना की है।

गुंडा एक्ट की कार्यवाही होने पर किसान नेता डीएम से मिले

प्रखर पिंडरा वाराणसी। किसान नेता व भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह के ऊपर फूलपुर पुलिस द्वारा गुंडा एक्ट की कार्यवाही किये जाने पर डीएम व एसपी ग्रामीण को गुरुवार को पत्रक देकर पुलिस कार्यवाही के प्रति आक्रोश जताया। किसान नेताओ को लेकर डीएम व एसपी कार्यालय पहुचे किसान व करखियाव निवासी धनंजय सिंह ने पत्रक देते हुए कहाकि किसानी कर जीवन यापन करने वाले तथा किसानों के हितों के लेकर समाज सेवा की है। एक भी आपराधिक मामला नहीं है। ऐसे में किस आधार पर फूलपुर पुलिस द्वारा गुंडा एक्ट की कार्यवाही की गई। जिसपर उन्हें आश्वासन मिला। बताते चलें कि किसान नेता गत दिनों अमूल के लिए अधिग्रहित जमीन पर बिना मुआवजा दिए जमीन पर कब्जा न करने के लिए आंदोलन तक चलाया था।

साहित्य चेतना समाज की बैठक संपन्न प्रतियोगिता के संबंध में हुई चर्चा

प्रखर गाजीपुर। साहित्य चेतना समाज की बैठक संस्था के जंगीपुर क्षेत्र के संयोजक विद्युत प्रकाश जी के आवास पर हुई। बैठक में संस्था द्वारा इस वर्ष आयोजित होने वाली

प्रतियोगिताओं के सम्बन्ध में चर्चा की गई। संस्था के संस्थापक अमर नाथ तिवारी अमर ने बताया कि संस्था के तत्वावधान में सामान्य ज्ञान,गणित,निबंध, चित्रकला एवं विचार-अभिव्यक्ति (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम) प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।गाजीपुर नगर एवं जंगीपुर दो केन्द्रों पर आयोजित होने वाली ये प्रतियोगिताएं चार वर्गों में होगीं।कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छः,मध्यम वर्ग में कक्षा सात से नौ तक,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ से बारह एवं वरिष्ठ वर्ग में स्नातक व इससे ऊपर की कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित प्रतिभागियों को संस्था के 37वें वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं गाजीपुर गौरव सम्मान समारोह में स्मृति-चिह्न व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।आवेदन-पत्र हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से संपर्क किया जा सकता है।आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दस नवंबर निर्धारित की गई। प्रतियोगिता प्रभारी प्रभाकर त्रिपाठी ने बताया कि निबंध प्रतियोगिता हेतु कनिष्ठ वर्ग के लिए खेल,मध्यम वर्ग के लिए प्रदूषण, ज्येष्ठ वर्ग के लिए मीडिया एवं वरिष्ठ वर्ग के लिए भारतीय संस्कृति शीर्षक निर्धारित किया गया है। चित्रकला प्रतियोगिता हेतु कनिष्ठ वर्ग के लिए ह्यआओ स्कूल चलें ह्य,मध्यम वर्ग हेतु पढ़ें बेटियां-बढ़ें बेटियां ,ज्येष्ठ वर्ग हेतु अनेकता में एकता -भारत की विशेषता विषय तय किया गया।बैठक में प्रमुख रूप से अरविन्द कन्नौजिया,सुनील गुप्ता,अवधेश कुमार,अमर नाथ तिवारी अमर,प्रभाकर त्रिपाठी, अंकित गुप्ता,अनमोल मद्धेशिया, आलोक सिंह, अरविन्द कुशवाहा, विद्युत प्रकाश, अभिषेक मद्धेशिया उपस्थित थे। अध्यक्षता अमर नाथ तिवारी अमर एवं संचालन विद्युत प्रकाश ने किया।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई सुबह संस्था संग मिल कर किया वृक्षारोपण तथा वितरित किया प्रमाण पत्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित व नई सुबह मानसिक स्वास्थ्य विभाग व्यवहार विज्ञान संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित स्कूल में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य सुधार विषयक तीन दिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए सुरेश कुमार मिश्रा द्वितीय कमान अधिकारी 95 बटालियन केंद्रीय पुलिस बल वाराणसी ने कहा कि अपने कर्तव्य को इमानदारी पूर्वक निर्वहन करने से न केवल मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है बल्कि यह राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है। हमारे फोर्स का मुख्य काम सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है किंतु हमारी बटालियन सामाजिक दायित्व के निर्वहन हेतु सैनिटाइजेशन, सफाई, वृक्षारोपण, खाद्यान्न वितरण एवं दिव्यांगों की सहायता व अन्य सामाजिक

कार्यक्रम भी करती रहती है। नई सुबह संस्था के संस्थापक निदेशक व मनोचिकित्सक डॉ. अजय तिवारी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्ति अपने व्यवहार रहन-सहन एवं सोच में परिवर्तन करके मानसिक एवं शारीरिक दोनों रूपों से स्वस्थ रह सकता है। डॉ. तुलसी प्रख्यात मनोचिकित्सक ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि यदि बच्चों का मानसिक रूप से स्वस्थ रहेगा तभी राष्ट्र विकसित होगा। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. मनोज तिवारी ने कहा कि स्कूल में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षक अपने कार्य को तनाव रहित रहकर करें यदि शिक्षक मानसिक रूप से परेशान रहेंगे तो निश्चित तौर पर वे अपने दायित्वों का निर्वहन करने में कठिनाई महसूस करेंगे तथा उनका व्यवहार छात्रों के प्रति उचित न होने से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।कार्यक्रम के प्रारंभ में 95 बटालियन केंद्रीय पुलिस बल वाराणसी के जवानों ने श्री सुरेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में नई सुबह के प्रांगण में नीम, आम, जामुन, सागौन, तुलसी सहित 101 वृक्ष रोपित किया। जिसमें डॉ. अजय तिवारी, डॉ मनोज तिवारी, श्री प्रवीण सिंह, श्रीमती सुनीता तिवारी, आजाद तिवारी, डॉ अमित तिवारी, अर्पिता मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह शामिल रहे। सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जोत्सना सिंह एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजय तिवारी ने किया।

रेडक्रॉस सोसाइटी पदाधिकारी चुनाव में विजय शाह चेयरमैन व डॉ. संजय राय चुने गए सचिव

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जिला राइफल क्लब में जिलाधिकारी व अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी वाराणसी कौशल राज शर्मा के निर्देशन में एडीएम सिटी गुलाब चन्द्र ने रेडक्रॉस सोसाइटी के वर्ष 2021 - 24 के कार्यकाल हेतु पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया पूर्ण कराई। विगत दिनों सम्पन्न रेडक्रॉस सोसाइटी के चुनाव में विजयी सभी 10 प्रबन्ध समिति सदस्यों ने बहुमत के आधार पर विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारियों के नाम का प्रस्ताव एडीएम सिटी गुलाब चन्द्र के समक्ष दिया जिसमें प्रबंध समिति हेतु चेयरमैन विजय शाह,सचिव डॉ संजय राय,वाईस चेयरमैन वेदमूर्ति शास्त्री व कोषाध्यक्ष जयप्रकाश बालानी निर्विरोध चुने गए।डॉ संजय राय लगातार चौथी बार रेडक्रॉस सचिव चुने गए। रेडक्रॉस सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा हैं।रेडक्रॉस सोसाइटी के वर्तमान पदाधिकारियों का कार्यकाल आगामी 3 वर्षो 2021 से 2024 तक होगा।सभी 10 प्रबन्ध समिति सदस्यों चेयरमैन विजय शाह,सचिव डॉ संजय राय,वाईस चेयरमैन वेदमूर्ति शास्त्री,कोषाध्यक्ष जयप्रकाश बालानी,डॉ एस एस गांगुली, बिमल त्रिपाठी,डॉ अजय अग्रवाल,डॉ सुनील मिश्रा,डॉ पी के सिंह,कमल किशोर तिवारी को शपथ ग्रहण भी कराया

गया। सचिव डॉ संजय राय ने बताया कि रेडक्रॉस अध्यक्ष / जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा के नेक पहल व कुशल नेतृत्व में रेडक्रॉस सोसाइटी ने कोविड के दौरान जनहित के जीवनदायी व सराहनीय कार्य किये हैं। इन कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। कोविड उपरान्त खुलने वाले विद्यालयों में जल्द ही फर्स्ट ऐड ट्रेनिंग शुरू होगी। स्वास्थ्य शिविर व रक्तदान शिविर के आयोजन के साथ रेयर ब्लड ग्रुप के रक्तदाताओं की सूची भी तैयार होगी।

संक्षिप्त खबरें

ठंढ की शुरूआत में ही वस्त्र दान फाउंडेशन ने वितरित किया गर्म वस्त्र

प्रखर वाराणसी। ठंड को मद्देनजर रखते हुए संस्था द्वारा गर्म वस्त्र वितरण किया गया। वस्त्र दान फाउंडेशन की युवा टीम को ठंड का आभास होते ही संस्था के सदस्य एक्टिव हो गए है और इसी के भांति बृहस्पति वार को संस्था द्वारा नदेसर सेवा बस्ती में गर्म वस्त्र वितरण किया गया । संस्था के संस्थापक सुधांशु सिंह का कहना है कि ठंड को मद्देनजर रखते हुए संस्था द्वारा विभिन्न बस्तियों में लोगो को संस्था द्वारा गर्म वस्त्र वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम मे उपस्थित रहे सुधीर यादव, सुमित राय, सुनील कुमार पांडेय , सुधांशु सिंह राजपूत , निशांत सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ ने डिग्निटी किट का किया वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 11 एनडीआरएफ टीम के द्वारा ग्राम सभा सुरही बनकट अलाउद्दीनपुर और ऊंचगांव कोरौता मे डिग्निटी किट का वितरण किया गया जिससे 403 लाभार्थी लाभान्वित हुए जिसका शुभारंभ एनडीआरएफ कमांडेंट श्री मनोज कुमार शर्मा,व श्री असीम द्वितीय कमान अधिकारी, निरीक्षक विनीत कुमार,नितिन सिंह, विनोद यादव,नंद किशोर यादव, एनडीआरएफ टीम ने किया।

2 से 5 नवंबर तक स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा का होगा दर्शन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रत्येक वर्ष धनतेरस से शुरू होने वाली स्वर्णमयी अन्नपूर्णा का दर्शन इस वर्ष 2 नवंबर से (धनतेरस पर्व) से शुरू होगा जो 5 नवंबर अन्नकूट पर्व तक चलेगा। दर्शन-पूजन और आयोजन के संदर्भ में गुरुवार को बांसफाटक स्थित श्रीकाशी अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र ट्रस्ट के दुसरीं शाखा के सभागार में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिसमें महंत शंकरपुरी ने बताया कि इस वर्ष भी पूरा विश्व कोरोना महामारी लड़ रहा। बाबा विश्वनाथ और मां भगवती के आशीर्वाद व्यवस्थाएं धीरे-धीरे पटरी पर आ गई है। हालांकि खतरा अभी टला नहीं है। बताया कि धनतेरस दिन 2 नवंबर से शुरू हो रहे स्वर्णमयी अन्नपूर्णा के दर्शन के दौरान कोविड-19 के बचाव के लिए जारी गाइडलाइन का पालन करवाते हुए भक्तों को दरबार में प्रवेश दिया जाएगा। भक्त मन्दिर के प्रथम तल पर स्थित माता के दर्शन करेंगे। गेट पर ही माता का खजाना और लावा वितरण भक्तों में किया जाएगा। भक्त पीछे के रास्ते से राम मंदिर परिसर होते कालिका गली से निकास दिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर में जगह-जगह वालेंटियर तैनात किए जाएंगे। थर्मल स्कैनिंग और हैंड सेनेटाइजेशन के बाद भक्तों को माता के दरबार में प्रवेश दिया जाएगा। सोशल डिस्टेंसिंग के साथ भक्तों को प्रवेश दिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टी से मन्दिर परिसर में दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। मेडिकल की व्यवस्था की भी रहेगी। स्वर्णमयी माँ अन्नपूर्णा का छोटी दीपावली से अन्नकूट पर्व तक के दर्शन भोर में 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक होगा। वीआईपी समय शाम 5 से 7 रहेगा। वृद्ध और दिव्यांगों के लिए दर्शन की सुगम व्यवस्था रहेगी। वार्ता के दौरान एक्सक्यूटिव ट्रस्टी जनार्दन शर्मा, प्रबंधक काशी मिश्रा, मौजूद रहे।

विधायक ने किया ऑक्सीजन प्लान्ट का लोकार्पण

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गंगापुर में अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से बने ऑक्सीजन प्लान्ट का लोकार्पण गुरुवार को अपराह्न में विधायक डॉ. अवधेश सिंह द्वारा किया गया। ऑक्सीजन प्लान्ट के चालू होने से ग्राम सभा मंगारी,गंगापुर,नेवादा, जगदीशपुर,नेहिया,अमौत, राजपुर सहित एक दर्जन गांवों को भी लाभ होगा। 30 बेड के अस्पताल में आसपास लोंगो को फायदा होगा।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों का बदला स्वरूप प्रधानमंत्री मोदी जी व मुख्यमंत्री योगी जी की देन है। कोरोना महामारी के दौरान डॉक्टर,नर्स,पुलिस व प्रशासनिक कर्मचारियों द्वारा के दिए किए योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करने वालो की प्रशंसा करनी चाहिए। उन्होंने दीपावली के त्योहार पर स्थानीय निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की अपील की।वही इस माह रिटायर्ड हो रहे बीबी सिंह का विधायक ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन अजय ऊदल व स्वागत भाषण छोटे लाल पटेल ने किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ वी.बी सिंह ,अनिल अग्रवाल फाउंडेशन से शशांक रेड्डी,जिलाउपाध्यक्ष पवन सिंह,पीएचसी प्रभारी संतोष सिंह,एडीओ पंचायत अशोक चौबे,ग्राम प्रधान मंगारी नंदलाल जायसवाल,डॉ. अतुल, दिनेश सिंह , अभिषेक राजपूत, मनीष पटेल,संदीप सिंह, वीरेंद्र, रविन्द्र, बलीराम पटेल व अतुल रावत बेलवाँ सहित अनेक कार्यकर्ता व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं